RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
35.0°C	26.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
6:04 AM	6:52 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

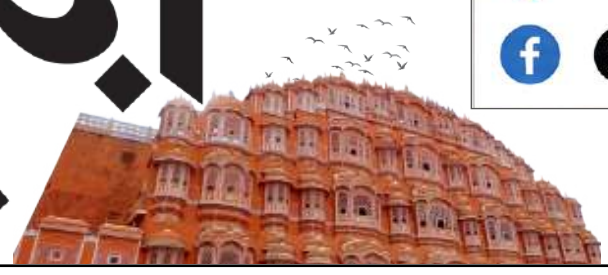

वर्ष: 01 | अंक: 51 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, शुक्रवार 04 सितंबर, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुभकामनाएं

जूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (04 सितम्बर) के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश मानवता को सत्य और धर्म की राह दिखाते हैं। निष्काम कर्म करने, अन्याय का प्रतिकार करने तथा लोक कल्याण के लिए सदैव समर्पित रहने का उनका संदेश हर युग में प्रासंगिक है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के महान आदर्शों को आत्मसात करें और विकसित भारत-विकसित राजस्थान के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और विवेक के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनका संदेश केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचेंगे और मध्यरात्रि में जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

ट्रंप ने वाणिज्य मंत्री लुटनिक का किया बचाव, बोले- 'ईरान पर अमेरिकी हमलों में 18 की मौत'

जूम न्यूज़

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के उस बयान को स्पष्ट किया जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान में कोई अमेरिकी नहीं मारा गया है। लुटनिक ने भी एक्स प्लेटफॉर्म पर अपनी सफाई दी। ट्रंप ने ईरान में हालिया अमेरिकी हमलों में 18 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर यह जानकारी देते हुए अपने ही वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के बयान को स्पष्ट किया। दरअसल, लुटनिक ने एक इंटरव्यू में कहा था कि ईरान युद्ध में किसी अमेरिकी की मौत नहीं हुई है। ट्रंप ने उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि लुटनिक के दिमाग में वेनेजुएला था, जब उन्होंने कहा कि कोई नहीं मारा गया। ट्रंप ने इसके बाद स्पष्ट किया, "ईरान में 18 लोग मारे गए!" अमेरिकी मीडिया के अनुसार, लुटनिक का बयान ईरान में जारी युद्ध के संदर्भ में था, जबकि ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अमेरिकी सैनिकों की मौत की संख्या की पुष्टि की। वहीं, लुटनिक ने भी एक्स पोस्ट में कहा कि जी20 एआई मीट में उनसे गलती हो गई थी क्योंकि उनके दिमाग में वेनेजुएला चल रहा था। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच कई महीनों से जारी संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। हालिया अमेरिकी हमलों में ईरान के सैन्य ठिकानों, रडार और मिसाइल रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हालिया अमेरिकी हमलों में 18 ईरानी नागरिकों की मौत और 108 लोग घायल हुए हैं। ईरानी रेड क्रिसेंट ने यह भी बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक शादी समारोह को निशाना बनाए जाने की घटना में चार लोगों की मौत हुई और 67 घायल हुए। इस बीच, ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ट्रंप के स्पष्टीकरण के बाद अमेरिकी प्रशासन के भीतर दिए गए बयानों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। युद्ध जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अधिकारियों के बयानों में अंतर सामने आने से स्थिति की गंभीरता और बढ़ जाती है। खासतौर पर अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा और हताहतों से जुड़ी जानकारी को लेकर किसी भी तरह की अस्पष्टता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींचती है। ईरान की ओर से लगातार अमेरिकी हमलों की निंदा की जा रही है। तेहरान का कहना है कि सैन्य कार्रवाई के जवाब में वह अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाता रहेगा। दूसरी ओर, अमेरिका अपने सैन्य अभियानों को क्षेत्र में अपने हितों और सुरक्षा से जोड़कर देख रहा है। दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी के साथ सैन्य गतिविधियां बढ़ने से तनाव कम होने के बजाय और गहराता दिखाई दे रहा है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव का असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के महत्वपूर्ण ऊर्जा और समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है। यहां किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि या लंबे समय तक अस्थिरता पैदा होने से तेल आपूर्ति, जहाजों की आवाजाही और अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दबाव बढ़ सकता है। क्षेत्र में मौजूद अन्य देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का कारण बनी हुई है। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी और ईरान की जवाबी कार्रवाई की आशंका के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ाई जा सकती है। किसी बड़े हमले की स्थिति में संघर्ष के और अधिक देशों तक फैलने का खतरा भी बना हुआ है। इस बीच आम नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता बनकर सामने आई है।

इंजरी के चलते गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा हुए बाहर, इस खिलाड़ी को टीम में किया गया शामिल

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। एशियाई खेलों की शुरुआत 19 सितंबर से हो रही है। टूर्नामेंट का आयोजन जापान के आइची-नागोया में किया जाएगा। एथलेटिक्स (भाला फेंक सहित) मुकाबले खेल के आखिरी दिनों में आयोजित किए जाते हैं। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) ने एशियाई खेलों के लिए 77 सदस्यीय ट्रैक एंड फील्ड टीम का एलान किया है। इंजरी के कारण गोल्ड मेडलिस्ट चोपड़ा का नाम हटा दिया गया है। उनकी जगह किस खिलाड़ी को शामिल किया गया है, आइए आपको बताते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीत चुका है ब्रॉन्ज मेडल। इंजरी के चलते बाकी पूरे सीजन से बाहर होने वाले नीरज की जगह टीम में यशवीर सिंह को शामिल किया है। जैवलिन के लिए 2 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमें यशवीर के अलावा रोहित यादव भी शामिल हैं। नीरज अब जकार्ता 2018 और हांगझोऊ 2023 के एशियाई खेलों में जीते गए मेडल को डिफेंड नहीं कर पाएंगे। यशवीर सिंह के चयन से भारत की भाला फेंक स्पर्धा में पदक की उम्मीदें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। 24 वर्षीय यशवीर ने इस साल लगातार 80 मीटर से अधिक के थ्रो किए हैं और ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक भी जीता था। उन्होंने वहां 85.41 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी हालांकि भारत के लिए बड़ा झटका है।

जयशंकर-जेलेंस्की आमने-सामने, रूसी हमले में यूक्रेन ने भारतीय डेलीगेशन की जान बचाने का किया दावा

जूम न्यूज़

कीव। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर यूक्रेन के दौरे पर हैं। इस दौरान उनकी मुलाकात गुरुवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से हुई। दोनों नेताओं के बीच रूस और यूक्रेन जंग को समाप्त करने के तरीकों पर बातचीत हुई। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत इस युद्ध को खत्म कराने के लिए किसी भी तरह की मदद करने के लिए तैयार है। वहीं, जेलेंस्की ने दावा करते हुए कहा कि उन्होंने रूसी ड्रोन हमले से भारतीय डेलिगेशन को सुरक्षित बचाया है। भारतीय विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत के इस स्पष्ट रुख के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'हम इस अन्यायपूर्ण युद्ध को खत्म करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के आभारी हैं। यह निश्चित रूप से युद्ध का समय नहीं है, शांति की आवश्यकता है और यही भारत का स्पष्ट रुख है। आज जब विदेश मंत्री कीव में हमारे साथ थे, रूस ने फिर से ईरान निर्मित शाहेद ड्रोन से हमला किया। हमारी वायुसेना के लड़ाकू विमानों की सतर्कता के कारण प्रतिनिधिमंडल सुरक्षित रहा।' जेलेंस्की का कहना है कि काला सागर में व्यापारिक जहाजों और खाद्य आपूर्ति गलियारों पर रूसी हमले लगातार हो रहे हैं, जिन पर उन्होंने चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही वैश्विक खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए दुनिया की प्रमुख शक्तियों को एकसाथ आने के लिए कहा है। इससे पहले जयशंकर ने यूक्रेनी विदेश मंत्री एड्री सिबिहा के साथ व्यापक तौर पर चर्चा की। इसके बाद एक संयुक्त बयान में जयशंकर ने बताया कि भारत लगातार यह मानता रहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है और इससे किसी समस्या का समाधान नहीं निकलने वाला है। नकी यह यात्रा ऐसे समय पर हुई है, जब रूस और यूक्रेन के बीच हमले तेज हो गए हैं।

नीष ब्रह्मभट्ट ने लॉन्च की कॉकरोच जनता पार्टी डेमोक्रेटिक

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब कॉकरोच जनता पार्टी डेमोक्रेटिक लॉन्च हुई है। इसके संस्थापक मनीष ब्रह्मभट्ट है, उन्होंने सीजेपी अभियान को बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे लेकर कहा आज हम 'कॉकरोच जनता पार्टी डेमोक्रेटिक' लॉन्च कर रहे हैं, हमें ऐसा क्यों करना पड़ा? इस संबंध में मनीष ने कहा सीजेपी का आंदोलन देश का था, यह इसलिए सफल हुआ क्योंकि लोगों ने इसमें अपना खून-पसीना बहाया था। लेकिन, आंदोलन की सफलता के बाद इसे बेच दिया गया और इसका राजनीतिकरण कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा सीजेपी की टीम अब 'टीम केजरीवाल' बन गई है क्योंकि अभिजीत दिपके और अन्य लोगों ने अपने घरों में आराम से बैठकर 12 सदस्यों की टीम बना ली। आंदोलन की सफलता के बाद, किसी भी वॉलंटियर या प्रदर्शनकारी को न तो बुलाया गया और न ही उनसे राय ली गई।

मणिपुर में जातीय हिंसा से प्रभावित 36,000 विस्थापित लोगों को फिर से बसाया गया: सीएम खेमचंद

जूम न्यूज़

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने गुरुवार को राज्य विधानसभा को बताया कि 3 मई, 2023 को भड़की जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए 60,000 लोगों में से लगभग 36,000 लोगों को पहले ही फिर से बसाया जा चुका है। कांग्रेस विधायक लोकेश्वर सिंह की ओर से शुरू की गई कम समय की चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि जातीय हिंसा से प्रभावित 24,000 विस्थापित लोग (आईडीपी) अभी भी राज्य भर के अलग-अलग राहत शिविरों में रह रहे हैं। उन्होंने विस्थापितों के पुनर्वास में हुई प्रगति का श्रेय विधायकों के सामूहिक सहयोग और प्रयासों को दिया। खेमचंद सिंह ने कहा कि 36,000 विस्थापितों के पुनर्वास के बावजूद सरकार अभी भी कुल 60,000 विस्थापितों में से लगभग 59,000 लोगों को आर्थिक मदद दे रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जो लोग घर लौट आए हैं, उन्हें भी आजीविका और कमाई के मौकों की कमी के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सरकार उन्हें हर महीने आर्थिक मदद देना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी और घाटी, दोनों इलाकों के विस्थापितों में घर लौटने की जरूरत और इच्छा एक जैसी है। राहत शिविरों और हिंसा प्रभावित इलाकों के अपने दौरों का जिक्र करते हुए खेमचंद सिंह ने कहा कि उन्होंने अलग-अलग समुदायों के लोगों से बातचीत की और पाया कि उनकी आम इच्छा शांति से रहने और अपने-अपने घरों को लौटने की थी। विस्थापितों के मुद्दे पर गंभीरता दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले महीने उन्होंने विस्थापितों के छह-सात संयुक्त संगठनों के प्रतिनिधियों को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए बुलाया था, ताकि मदद देने और उनके पुनर्वास को आसान बनाने के तरीकों पर बात की जा सके। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सिर्फ आर्थिक मदद से तीन साल से चल रहे संघर्ष के असर को दूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लंबे समय से चले आ रहे जातीय संकट ने प्रभावित लोगों में मानसिक आघात भी पैदा किया है और इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग उन्हें हो रही मानसिक परेशानी को कम करने के लिए कदम उठा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह प्रभावित लोगों के पुनर्वास और आजीविका में मदद के लिए आगे के कदमों और पहलों पर योजना विभाग के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। खेमचंद सिंह ने मदद देने और मौके पैदा करने के एक संभावित तरीके के तौर पर श्रम विभाग के लेबर कार्ड जैसे उपायों का जिक्र किया। उन्होंने सदन को भरोसा दिलाया कि सरकार समुदायों के बीच भरोसा बढ़ाने और राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने, लोगों को फिर से बसाने और आर्थिक व सामाजिक गतिविधियों को दोबारा शुरू करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में काम कर रही है।

भारत और बेल्जियम के बीच द्विपक्षीय व्यापार 5 साल में दोगुना करने पर बनी सहमति

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2 से लेकर 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। बेल्जियम के प्रधानमंत्री के साथ वहां के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकेन और अधिकारियों और बिजनेस लीडर्स का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद है। फरवरी 2025 में पद संभालने के बाद यह प्रधानमंत्री डी वेवर का पहला भारत दौरा है। पीएम मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों नेताओं ने पहले विश्व युद्ध के दौरान फ्लैंडर्स फील्ड्स में 9,000 से ज्यादा भारतीय सैनिकों के सबसे बड़े बलिदान को याद किया। दोनों नेताओं ने यह भी याद किया कि बेल्जियम 1947 में भारत के साथ राजनयिक संबंध बनाने वाले पहले यूरोपीय देशों में से एक था।

जन्माष्टमी से पहले मुख्यमंत्री योगी ने उपहारों के माखन से भरी ब्रजवासियों की 'मटकी'

जूम न्यूज़

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृष्ण जन्माष्टमी से एक दिन पहले विकास परियोजनाओं के उपहारों के माखन से ब्रजवासियों की 'मटकी' भर दी, जो स्थानीय नागरिकों के जीवन में खुशियों की बहार लेकर आई। मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। यहां संतों को सम्मानित भी किया। साथ ही उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन से पहले एक लाभार्थी को ट्रैक्टर की चाबी भी प्रदान की। मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ पाने वाले सपेरा संवर्ग के लाभार्थियों समेत जनप्रतिनिधियों, संतों, उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पदाधिकारियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं आदि ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने 1980 बैच की आईएएस (सेवानिवृत्त) आराधना जौहरी की पुस्तक का विमोचन किया। सीएम ने उन्हें भी बधाई दी। मुख्यमंत्री ने नन्हे-मुन्नों को गोद में लेकर दुलारा-पुचकारा। चंदन लगाया, गुड़िया व खिलौने दिए। सीएम ने बच्चों का अन्नप्राशन करते हुए उन्हें खीर भी खिलाई। सीएम ने मातृशक्ति को उपहार व फलों की टोकरी भी दी। सीएम योगी ने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। यहां मुख्यमंत्री योगी, सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमामालिनी आदि ने फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान प्रेक्षागृह के निर्माण, विकास से जुड़ी लघु फिल्म भी दिखाई गई। इससे पहले उन्होंने मंत्रोच्चार करने वाले बटुकों से भी परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने संतों को माल्यार्पण, फल, अंगवस्त्र आदि देकर सम्मानित भी किया। मंच पर हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय, वृंदावन की छात्राओं ने राष्ट्रगीत भी प्रस्तुत किया। 51 कलाकारों ने शिवोअहं प्रोडक्शन की ओर से भारत के विभिन्न राज्यों की नृत्य शैली के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों व भावों को प्रस्तुत किया। इसकी कोरियोग्राफर बीएचयू वाराणसी की कथक नृत्यांगना शिवानी मिश्रा थीं। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न विभागों की तरफ से लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया। योजनाओं की प्रगति के साथ ही महिलाओं समेत विभिन्न सामग्रियों, वस्त्रों, उत्पादों को तैयार करने वालों से कार्यों आदि के बारे में जानकारी ली।

चैट-जीपीटी और क्लाउड पूरी दुनिया भर में हुआ डाउन, यूजर्स को लॉगिन करने में आ रही परेशानी

जूम न्यूज़

भोपाल। चैट-जीपीटी और क्लाउड गुरुवार (03 सितंबर) को भारत समेत पूरी दुनिया में अचानक डाउन हो गए। प्लेटफॉर्म के अचानक न चलने से हजारों यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें लॉगिन करने और पुरानी चैट को लोड करने में दिक्कत आ रही है। अचानक आई दिक्कत से यूजर्स का काम बीच में ही रुक गया।

ऑनलाइन आउटेज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, यूजर्स को चैट जीपीटी को वेब और एप दोनों पर एक्सेस करने में समस्या हो रही है। 78 फीसदी लोगों को एक्सेस करने, जबकि 8 फीसदी को बेवसाइट का इस्तेमाल करने में परेशानी आई।

वहीं, 8 फीसदी ने एप कनेक्शन में दिक्कत आने की बात कही। वेबसाइट के मुताबिक, अमेरिका में सबसे ज्यादा 36 हजार यूजर्स ने शिकायत की है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, यह समस्या केवल एक प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रही। इसी दौरान एंथ्रोपिक का क्लॉड और एक्सएआई का ग्रोक भी प्रभावित हुए, जिसके चलते कई यूजर्स को एक साथ अलग-अलग एआई सेवाओं में परेशानी का सामना करना पड़ा। भारत में भी हजारों यूजर्स ने इन सेवाओं में दिक्कत की शिकायत की।

संपादकीय

इसबगोल बीज पर राजस्थान में 5% और गुजरात में Nil GST, अलग-अलग फैसलों से किसान और उद्योग असमंजस में

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। इसबगोल के कच्चे बीज पर राजस्थान और गुजरात में अलग-अलग GST दरों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दोनों राज्यों की अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग (AAR) के अलग-अलग फैसलों के चलते एक ही उत्पाद पर अलग-अलग कर लागू होने की स्थिति बनी है। राजस्थान इसबगोल प्रोसेसर्स एसोसिएशन के अनुसार इसका असर किसानों, मंडी व्यापारियों और प्रोसेसिंग उद्योग पर पड़ रहा है। एसोसिएशन के अनुसार गुजरात में प्राकृतिक, कच्चे और बिना प्रसंस्करण वाले इसबगोल बीज पर Nil GST का निर्णय दिया गया है, जबकि राजस्थान में 27 जुलाई 2026 के फैसले के तहत मंडियों, शेड और गोदामों में रखे बीज को ड्राई मानकर 5 प्रतिशत GST लागू किया गया है। एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि कर संबंधी असमंजस के कारण मंडियों में खरीद और नीलामी प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। राजस्थान देश का सबसे बड़ा इसबगोल उत्पादक राज्य है और देश के करीब 75 प्रतिशत उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी बताई गई है। उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत निर्यात होता है। GST रिफंड का प्रावधान होने के बावजूद रिफंड मिलने तक पूंजी फंसे रहने से उद्योग के कैश फ्लो पर असर पड़ रहा है। एसोसिएशन को आशंका है कि राजस्थान में 5 प्रतिशत और गुजरात में Nil GST जारी रहा तो प्रोसेसिंग इकाइयां गुजरात जा सकती हैं, जिससे परिवहन, भंडारण, व्यापार और रोजगार प्रभावित होंगे। पदाधिकारियों ने कहा कि मंडियों और गोदामों में रखे इसबगोल बीज प्राकृतिक रूप से नमी ग्रहण करते हैं और इन्हें किसी मशीन या बाहरी प्रक्रिया से सुखाया नहीं जाता। उनके अनुसार ड्राई उत्पाद वही होना चाहिए, जिसमें जानबूझकर सुखाने की प्रक्रिया अपनाकर मूल्यवर्धन किया गया हो। एसोसिएशन ने राज्य सरकार से मांग की है कि प्रस्तावित 57वीं GST परिषद की बैठक में मुद्दा उठाकर प्राकृतिक और कच्चे इसबगोल बीज पर पूरे देश में समान Nil GST की सिफारिश की जाए। साथ ही मंडियों में खरीद और नीलामी प्रक्रिया जल्द सामान्य कराने की मांग की गई है। कारोबारियों का मानना है कि जब तक इस मामले में स्पष्ट और एकरूप व्यवस्था नहीं बनती, तब तक बाजार में अनिश्चितता बनी रह सकती है।

77वें वन महोत्सव में 1000 से अधिक पौधों का रोपण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। बिछवाल स्थित मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क में गुरुवार को जिला प्रशासन एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 77वां जिला स्तरीय वन महोत्सव एवं 'एक पेड़ मां यशोदा के नाम' अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 1000 से अधिक पौधे लगाए गए।

मुख्य अतिथि आईजी ओम प्रकाश ने पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी को आवश्यक बताते हुए पौधों के संरक्षण का आह्वान किया। आईजीएनपी आयुक्त नवनीत कुमार, जिला कलेक्टर निशांत जैन और सीसीएफ जयपुर आर.के. खैरवा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। खैरवा ने कहा कि पौधरोपण से मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क में हरित वातावरण विकसित होगा और यह वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास के रूप में महत्वपूर्ण बनेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नाटक एवं लोकनृत्य के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। छात्रा सीमा कुमारी ने अमृता देवी और 363 लोगों के बलिदान की घटना का प्रभावी मंचन किया। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में पर्यावरणप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। लगाए गए पौधों को समय पर पानी, उचित संरक्षण और आवश्यकतानुसार देखरेख मिले, इसके लिए विभागीय स्तर पर निगरानी की आवश्यकता बताई गई।

बाड़मेर में नामांकन वापसी को लेकर हंगामा, भाजपा-आरएलपी कार्यकर्ता भिड़े

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

बाड़मेर। नगर निकाय चुनाव में नामांकन वापसी के अंतिम दिन गुरुवार को उपखंड कार्यालय के बाहर भाजपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों के बीच विवाद और हाथापाई की स्थिति बनने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया। वहीं भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रत्याशी ने अपनी इच्छा से नामांकन वापस लिया है। भाजपा नेता स्वरूपसिंह खारा ने आरोप लगाया कि आरएलपी कार्यकर्ता प्रत्याशी को एसडीएम कार्यालय से जबरदस्ती ले जाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी एसडीएम कोर्ट में स्वयं पेश हुआ और अपनी इच्छा से नामांकन वापस लिया। मामले में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर आरोप लगाए गए हैं।

पीएम श्री स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक करियर शिक्षा कार्यक्रम

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। पीएम श्री विद्यालयों में सत्र 2026-27 के दौरान कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए व्यापक करियर शिक्षा एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से शिक्षा विभाग को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्म-जागरूकता, करियर जागरूकता, निर्णय क्षमता और भविष्य उन्मुख कौशल विकसित करना है। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को 'सफर' कार्यपुस्तिका, 600 डिजिटल करियर कार्ड, 'करियर की खोज' पुस्तक और करियर पोस्टर उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यालयों में नियमित एवं गतिविधि आधारित करियर सत्र, करियर वेबिनार, विशेषज्ञ संवाद, उद्योग एवं संस्थान भ्रमण तथा करियर चर्चा आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही अभिभावकों के लिए मेगा पीटीएम सहित विभिन्न बैठकों में करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित होंगे।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह से की मुलाकात

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ ने गुरुवार दोपहर बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह से करीब एक घंटे तक मुलाकात की। इस दौरान धनखड़ दंपती ने सुमित्रा सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ रहने की कामना की। मुलाकात के दौरान डॉ. सुदेश धनखड़ ने सुमित्रा सिंह को उनकी पसंद की असम टी भेंट की। सुमित्रा सिंह लंबे समय से अच्छी चाय की शौकीन रही हैं। धनखड़ दंपती ने उन्हें शॉल भी भेंट किया। इस दौरान सुमित्रा सिंह ने अपनी जिजीविषा का परिचय देते हुए धनखड़ दंपती को 16 फरवरी 2027 को होने वाली अपने पोते करण की शादी में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान दोनों परिवारों के बीच आत्मीय बातचीत भी हुई। करीब एक घंटे चली इस मुलाकात में राजनीतिक चर्चाओं से अधिक पारिवारिक और आत्मीय संवाद का माहौल रहा। धनखड़ दंपती ने सुमित्रा सिंह से उनके स्वास्थ्य और उपचार से जुड़ी जानकारी ली। इस दौरान सुमित्रा सिंह ने भी पुरानी स्मृतियों को साझा किया और सहज अंदाज में बातचीत की। असम टी और शॉल भेंट किए जाने के दौरान भी माहौल काफी आत्मीय रहा।

जिलाध्यक्ष से मारपीट और अभद्र व्यवहार की शिकायत पर प्रदेश कांग्रेस ने की कार्रवाई

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। वार्ड संख्या 50 में कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव कार्यालय उद्घाटन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी बीकानेर शहर के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल के साथ कथित मारपीट एवं अभद्र व्यवहार के मामले में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कड़ा अनुशासनात्मक कदम उठाया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने 2 सितंबर को जारी कार्यालय आदेश में पूर्व पार्षद दीपक अरोड़ा और मोहित अरोड़ा को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष की अवधि के लिए निलंबित कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल से प्राप्त शिकायत के अनुसार वार्ड नंबर 50, नगर निगम बीकानेर के कांग्रेस प्रत्याशी के कार्यालय उद्घाटन के दौरान दीपक अरोड़ा, मोहित अरोड़ा एवं अन्य लोगों द्वारा उनके साथ मारपीट तथा अभद्र व्यवहार की घटना हुई। प्रदेश कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के साथ इस प्रकार के आचरण को अत्यंत गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना है।

नौकरी के पहले दिन 50 से ज्यादा कर्मचारी धरने पर बैठे, वार्ड बॉय का काम करने से किया इनकार

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल में नौकरी के पहले ही दिन चतुर्थ श्रेणी के 50 से ज्यादा कर्मचारियों ने वार्ड बॉय का काम करने से इनकार करते हुए धरना दिया। कर्मचारी गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे अस्पताल के पोर्च में एकत्र हुए और दोपहर 12 बजे तक धरने पर बैठे। सरकार ने पहली पोस्टिंग के तौर पर करीब 150 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को SMS अस्पताल में नियुक्त किया है। अस्पताल प्रशासन ने सभी को अलग-अलग सेक्शन में कार्य आवंटित किया, जिनमें करीब 50 कर्मचारियों को वार्ड बॉय का काम दिया गया। कर्मचारियों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के जॉब चार्ट में वार्ड बॉय का काम शामिल नहीं है। उनका कहना है कि जॉब चार्ट से बाहर का काम कराया गया तो वे उसे नहीं करेंगे। वहीं SMS अस्पताल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने कहा कि मेडिकल, हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर विभाग की जॉब रिस्पॉन्सिबिलिटी गाइडलाइन के सेक्शन-सी में वार्ड बॉय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की जिम्मेदारियों को समान बताया गया है। इसी नियम के आधार पर कर्मचारियों को कार्य आवंटित किया गया है। उन्होंने विरोध कर रहे कर्मचारियों को संबंधित नियमों की प्रति भी उपलब्ध कराई है। गौरतलब है कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 2025 में चतुर्थ श्रेणी के 53,749 पदों पर भर्ती परीक्षा आयोजित की थी। इसमें करीब 24.75 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। चयनित अभ्यर्थियों में 10वीं-12वीं के साथ बड़ी संख्या में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और बीटेक डिग्रीधारी भी शामिल हैं। अस्पताल प्रशासन की ओर से नियमों की प्रति उपलब्ध कराने के बाद कर्मचारियों के सामने अब संबंधित प्रावधानों को समझने का मुद्दा है। प्रशासन का कहना है कि अस्पताल में मरीजों की देखभाल और वार्ड से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए कर्मचारियों को आवश्यकता के अनुसार जिम्मेदारी दी जाती है।

जन्माष्टमी पर 13 घंटे होंगे गोविंददेवजी के दर्शन, सुबह 4 बजे खुलेंगे पट

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। जन्माष्टमी पर ठाकुरजी के करीब 13 घंटे दर्शन होंगे। सुबह 4 बजे मंगला झांकी के साथ मंदिर के पट खुलेंगे और रात 10:30 बजे तक अलग-अलग झांकियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को दर्शन होंगे।

इसके बाद मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, तिथि पूजा और अभिषेक के आयोजन होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में प्रवेश और निकासी के मार्ग अलग-अलग रखे गए हैं। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को प्रवेश से लेकर निकासी तक करीब 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलना पड़ सकता है। दर्शन के बाद निकासी जय निवास बाग के पूर्वी और पश्चिमी गेट से होगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से प्रवेश मार्ग की ओर वापस नहीं जाने और निर्धारित निकास मार्ग का ही उपयोग करने की अपील की है।

जयपुर में ओवैसी और हनुमान बेनीवाल करेंगे संयुक्त जनसभा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। प्रदेश में चल रहे नगर निकाय चुनाव के बीच क्षेत्रीय दलों के बड़े नेताओं की चुनावी सक्रियता बढ़ने लगी है। AIMIM प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी जयपुर में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा करेंगे। खास बात यह है कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल भी इस सभा में ओवैसी के साथ मंच साझा करेंगे। AIMIM प्रदेश अध्यक्ष जमील खान के अनुसार ओवैसी 6 सितंबर को शाम 7 बजे भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र के 90 फीट चौराहे पर जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा हवामहल विधानसभा क्षेत्र के शास्त्री नगर स्थित वार्ड 146 से AIM-IM प्रत्याशी लुकमान के समर्थन में आयोजित की जा रही है। ओवैसी इस दौरान मतदाताओं से पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान और समर्थन की अपील करेंगे। ओवैसी और बेनीवाल की संयुक्त जनसभा को निकाय चुनाव के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभी भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेताओं की चुनावी सक्रियता अपेक्षाकृत सीमित है, ऐसे में क्षेत्रीय दलों के नेताओं के मैदान में उतरने से जयपुर के चुनावी माहौल में हलचल बढ़ गई है। ओवैसी और बेनीवाल के एक मंच पर आने से जयपुर में क्षेत्रीय राजनीति के समीकरणों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। दोनों नेताओं की अपनी-अपनी राजनीतिक पहचान और समर्थक आधार है। ऐसे में संयुक्त सभा के जरिए निकाय चुनाव में क्षेत्रीय दलों की मौजूदगी को मजबूत करने की कोशिश के तौर पर इसे देखा जा रहा है। सभा के दौरान स्थानीय मुद्दों के साथ नगर निकाय से जुड़े सवाल भी प्रमुखता से उठने की संभावना है। वार्ड स्तर पर सड़क, सफाई, पेयजल, सीवर, बिजली, यातायात और अन्य मूलभूत सुविधाएं मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। प्रत्याशी इन समस्याओं को लेकर अपने पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास कर सकते हैं। पार्टी जिन वार्डों में चुनाव मैदान में है, वहां संगठन को सक्रिय करने और मतदाताओं तक सीधे पहुंच बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

नगर निकाय चुनाव में 1545 अभ्यर्थी मैदान में, 331 ने वापस ली अभ्यर्थिता

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत चूरू जिले की 11 नगरीय निकायों के 430 वार्डों में सदस्य पद के लिए अब 1545 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। संवीक्षा के बाद स्वीकृत 1882 अभ्यर्थियों में से गुरुवार को 331 अभ्यर्थियों ने अपनी अभ्यर्थिता वापस ले ली। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) अर्पिता सोनी ने बताया कि नाम वापसी के बाद बीदासर में 111, तारानगर में 97, साहवा में 57, रतननगर में 62, रतनगढ़ में 194, राजलदेसर में 124, राजगढ़ में 226, छापर में 78, चूरू में 201, सुजानगढ़ में 215 तथा सरदारशहर में 180 अभ्यर्थी चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि बीदासर से 21, तारानगर 23, साहवा 8, चूरू 49, रतननगर 13, रतनगढ़ 32, राजलदेसर 26, राजगढ़ 56, छापर 19, सुजानगढ़ 51 और सरदारशहर से 33 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिए।

बीदासर के वार्ड संख्या 15 में एक अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 4 सितंबर को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। प्रथम चरण का मतदान 9 सितंबर और द्वितीय चरण का मतदान 11 सितंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। मतगणना 14 सितंबर को की जाएगी। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब प्रत्याशियों के सामने चुनाव प्रचार को गति देने का अवसर है। चुनाव चिन्ह आवंटित होने के साथ ही वार्ड स्तर पर प्रचार अभियान और अधिक स्पष्ट रूप लेगा। प्रत्याशी घर-घर संपर्क, छोटी बैठकों और स्थानीय मुद्दों के आधार पर मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश करेंगे। चूरू जिले की नगरीय निकायों में मुकाबला कई वार्डों में बहुकोणीय होने की संभावना है। बड़ी संख्या में प्रत्याशी मैदान में होने के कारण मतदाताओं के सामने विकल्प भी अधिक रहेंगे। ऐसे में प्रत्याशियों के लिए अपने पक्ष में मतदाताओं को लामबंद करना और वार्ड की प्रमुख समस्याओं को लेकर स्पष्ट एजेंडा रखना महत्वपूर्ण होगा।

चुनाव के बीच राजकीय शिक्षक की फेसबुक गतिविधि पर उठे सवाल, राजनीतिक पोस्ट शेयर करने का आरोप

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर नगर परिषद चुनाव के बीच भादासर उत्तरादा स्थित राजकीय विद्यालय में कार्यरत बताए जा रहे एक शिक्षक की सोशल मीडिया गतिविधि को लेकर सवाल उठे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए एक स्क्रीनशॉट में राजनीतिक चर्चा से जुड़ी पोस्ट और टिप्पणियां दिखाई दे रही हैं। आरोप है कि संबंधित शिक्षक ने अपने फेसबुक अकाउंट से चुनावी राजनीति से जुड़ी सामग्री साझा की। मामले के बाद यह सवाल उठ रहा है कि चुनाव के दौरान राजकीय सेवा में कार्यरत कर्मचारी अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट से राजनीतिक प्रचार अथवा किसी राजनीतिक दल या प्रत्याशी के समर्थन में सामग्री साझा कर सकता है या नहीं। राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1971 के नियम 7 के तहत सरकारी कर्मचारियों के राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध है। स्थानीय प्राधिकारी के चुनाव में प्रचार करने, हस्तक्षेप करने या प्रभाव का इस्तेमाल करने पर भी नियमों में रोक का प्रावधान है। निर्वाचन विभाग की चुनाव संबंधी गाइडलाइन में भी सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। मामले में शिक्षा एवं निर्वाचन विभाग से वायरल स्क्रीनशॉट की तारीख, अकाउंट की वास्तविकता और पोस्ट की प्रकृति की जांच कराने की मांग की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि संबंधित शिक्षक ने वास्तव में चुनावी राजनीति से जुड़ी सामग्री साझा की थी या नहीं और यदि ऐसा हुआ तो वह आचरण नियमों के दायरे में आता है या नहीं। मामले ने चुनाव ड्यूटी और सरकारी कर्मचारियों की निष्पक्ष भूमिका को लेकर भी चर्चा तेज कर दी है। चुनाव प्रक्रिया में तैनात सरकारी कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे किसी भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी के पक्ष अथवा विरोध में दिखाई देने वाली गतिविधि से दूरी बनाए रखें। ऐसे में सोशल मीडिया पर सामने आई सामग्री की सत्यता और संदर्भ की जांच महत्वपूर्ण हो जाती है। स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर संबंधित विभाग से तथ्यात्मक जांच की मांग की जा रही है। जांच में शिक्षक के सोशल मीडिया खाते की वास्तविकता, पोस्ट अपलोड किए जाने की तारीख, उसमें इस्तेमाल की गई भाषा और सामग्री की प्रकृति सहित अन्य पहलुओं को देखा जा सकता है। यदि पोस्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा साझा की गई थी या स्क्रीनशॉट में संदर्भ अधूरा है, तो इसकी भी पुष्टि आवश्यक होगी। इसलिए मामले में निष्पक्ष जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित होगा।

राजस्थान/ प्रादेशिक

शंकर लाल सीमार बने भाजपा किसान मोर्चा खाटूश्यामजी मंडल अध्यक्ष

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

खाटूश्यामजी। (विनोद धायल) भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने संगठनात्मक नियुक्ति करते हुए शंकर लाल सीमार को खाटूश्यामजी मंडल किसान मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं, किसान नेताओं और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त अध्यक्ष शंकर लाल सीमार ने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व और संगठन पदाधिकारियों का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत करना और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाया जाएगा।

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में फ्रेशर्स डे 2026 का रंगारंग आयोजन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। 3 सितम्बर को कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय,जयपुर में छात्राओं के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम फ्रेशर्स डे 2026 का आयोजन किया गया। महाविद्यालय निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, प्राचार्य, डॉ. सीमा अग्रवाल, उप प्राचार्य (छात्र गतिविधि) डॉ. मनीषा माथुर एवं प्रथम सेमेस्टर की सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली कला संकाय की खुशी जांगिड़, विज्ञान संकाय की ऋषिता अग्रवाल एवं वाणिज्य संकाय की छात्रा गरिमा मंगल ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत एवं इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली सभी संकायों की, प्रथम वर्ष की मेधावी छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में नवागंतुक छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी और उन्होंने मेंटोरिंग ग्रुप की महत्ता बताते हुए छात्राओं को स्वयं को निरंतर निखारने और अपने व्यक्तित्व को संवारने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने इस आयोजन में रंग-बिरंगे परिधानों में सजी प्रथम वर्ष की 55 छात्राओं ने विभिन्न टाइटल्स के लिए रैम्पवॉक की।

स्कूलों में मनाया जन्माष्टमी महोत्सवः राधा-कृष्ण बने नौनिहालों ने मोहा मन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। बचपन प्ले स्कूल, झोटवाड़ा, जयपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के मनमोहक स्वरूप में सजकर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। स्कूल परिसर को रंग-बिरंगी झांकियों, फूलों, गुब्बारों और पारंपरिक सजावट से आकर्षक रूप से सजाया गया। बच्चों ने राधा-कृष्ण की बाल-लीलाओं की सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिसमें मटकी फोड़, नृत्य और भजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसे आयोजन बच्चों में हमारी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना विकसित करते हैं।

कार्यक्रम में शिक्षकों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे परिसर में भक्ति एवं उल्लास का माहौल रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रेम, सत्य और कर्मयोग का संदेश देता है। अंत में सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया और कार्यक्रम का समापन भजन संध्या के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। नन्हे कलाकारों ने कृष्ण और राधा के रूप में अपनी मासूम अदाओं से सभी का मन मोह लिया। शिक्षकों ने बच्चों को श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक प्रसंगों के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। मटकी फोड़ गतिविधि के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसके अलावा राधा-कृष्ण के गीतों पर बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। विद्यालय परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को भारतीय त्योहारों की परंपराओं और उनके महत्व से परिचित कराया गया। शिक्षकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं को संभालते हुए बच्चों की गतिविधियों में सहयोग किया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों ने अनुशासन के साथ विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। रंग-बिरंगी पोशाकों में सजे बच्चों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से सत्य, कर्तव्य और सकारात्मक सोच की प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

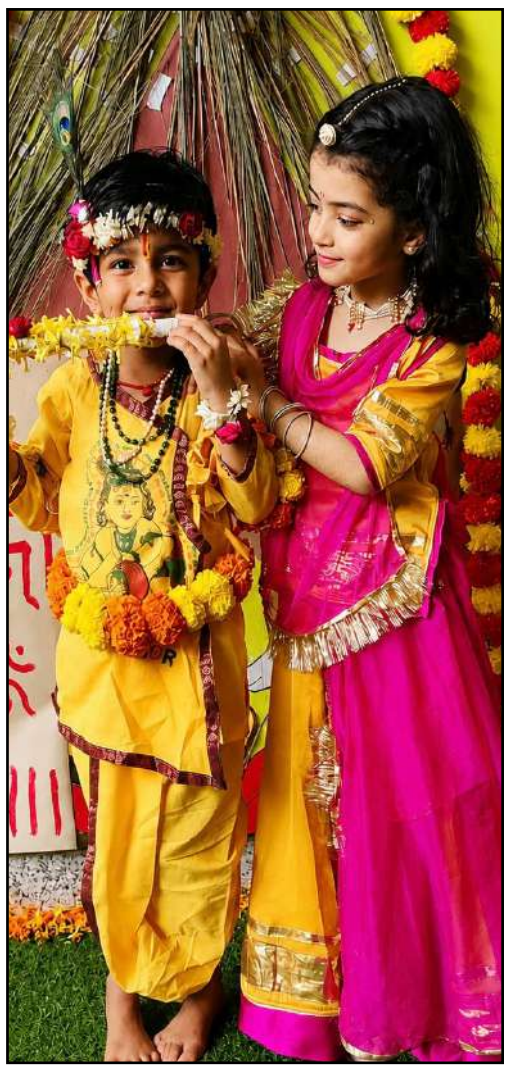

15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल और दलाल गिरफ्तार

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बारां। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. इकाई बारां द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी रामनिवास हाल हैड कानिस्टेबल नम्बर 1445, पुलिस थाना कवाई, जिला बारां को परिवादी गिर्राज नागर के विरूद्ध आईन्दा एक्ट की कार्यवाही एवं झूठे मुकदमे में नहीं फंसाने की एवज में दलाल हंसराज राठी पुत्र रामप्रसाद, निवासी ग्राम कोहनी, थाना कवाई, जिला बारां के माध्यम से 15,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। जिस पर रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया तो आरोपी रामनिवास, हैड कानिस्टेबल, थाना कवाई द्वारा 15,000 रुपये की रिश्वत मांग करना पाया गया। आरोपी द्वारा रिश्वत राशि परिवादी के गांव के हंसराज राठी, दलाल को दिलवाई गई। जिसे ए.सी.बी. टीम द्वारा बरामद कर लिया गया। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

तेजल सेना संवाद 1.0 में दिखेगा सामाजिक सरोकारों का संगम, 20 सितंबर को दादियारामपुरा में होगा आयोजन

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सीकर। तेजल सेना की ओर से आगामी 20 सितंबर 2026 को रींगस के निकट दादियारामपुरा गांव में 'तेजल सेना संवाद 1.0' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर प्रतिभा सम्मान और पूर्व सैनिकों के सम्मान तक विभिन्न सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में खाटूश्यामजी स्थित श्री गोविन्द गेस्ट हाउस में तेजल सेना की टीम का स्वागत किया गया।

इस दौरान 'तेजल सेना संवाद 1.0' के पोस्टर का विमोचन किया गया।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में तेजल सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ईश्वर सिंह निठारवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदेश चौधरी, सीकर जिला प्रभारी अमनदीप धायल, रोहित धायल, विकास धायल, शिशपाल एवं शेखावाटी टाइम्स अखबार के प्रबंधक-संपादक विनोद धायल सहित जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार संवाद कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर और फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले भामाशाहों का सम्मान, सेवानिवृत्त सैनिकों का अभिनंदन और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

खाटूश्यामजी नगरपालिका चुनाव : 16 निर्दलीयों ने नामांकन वापस लिया, अब 73 प्रत्याशी मैदान में

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

खाटूश्यामजी। नगरपालिका चुनाव 2026 को लेकर नामांकन वापसी के अंतिम दिन गुरुवार को 16 निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब नगरपालिका के 20 वार्डों में कुल 73 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन भाजपा और कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने-अपने रूठे प्रत्याशियों को मनाने में जुटे रहे। प्रत्याशियों के नाम वापस लेने के बाद कई वार्डों में चुनावी समीकरण भी बदल गए हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कपिल उपाध्याय ने बताया कि वार्ड 17 से नरेन्द्र कुमार, वार्ड 1 से रतनलाल और सुरेश कुमार वर्मा, वार्ड 18 से राकेश कुमार तथा वार्ड 11 से चंदा देवी ने नामांकन वापस लिया। इसी तरह वार्ड 3 से रहीसा बानो और सत्यजीत शर्मा, वार्ड 10 से सरोज और पार्वती, वार्ड 8 से विकास कुमार पुनिया, वार्ड 16 से अर्चना, वार्ड 20 से विजय कुमार मीणा, वार्ड 4 से अजय कुमार मिश्रा, वार्ड 5 से सम्पत कुमावत, वार्ड 14 से सिकंदर खान और वार्ड 12 से संगीता देवी ने भी नामांकन वापस ले लिया। सभी 16 प्रत्याशी निर्दलीय के रूप में चुनाव मैदान में थे। नामांकन वापसी के बाद भाजपा के प्रत्याशी सभी 20 वार्डों में चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस के 18 वार्डों में प्रत्याशी हैं। वहीं माकपा के 4, आरएलपी के 3, आम आदमी पार्टी के 2 और 26 निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। इस तरह 20 वार्डों में कुल 73 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। चुनाव चिन्ह मिलने के साथ ही नगरपालिका चुनाव को लेकर प्रचार अभियान तेज होने की संभावना है। कई वार्डों में प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला होने के साथ कुछ वार्डों में बहुकोणीय मुकाबला भी देखने को मिलेगा। नाम वापसी के बाद अब प्रत्याशियों के सामने मतदाताओं तक पहुंचने और अपने पक्ष में माहौल बनाने की चुनौती रहेगी। चुनाव चिन्ह आवंटित होते ही वार्डवार प्रचार अभियान तेज होगा। प्रत्याशी घर-घर संपर्क के साथ छोटी बैठकों और जनसंपर्क के जरिए मतदाताओं से समर्थन मांगेंगे।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करें सुनिश्चित : राज्य निर्वाचन आयुक्त

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। प्रदेश में नगर निकाय आम चुनाव-2026 की निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में पर्यवेक्षकों की प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त ने पर्यवेक्षकों को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रभावी पर्यवेक्षण तथा उनके दायित्वों के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि सभी पर्यवेक्षक आवंटित जिलों में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के साथ तैयारी बैठक कर निर्वाचन के आंकड़ों एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों की जानकारी प्राप्त करें। इससे स्थानीय अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय एवं प्रभावी व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करने में उन्हें मदद मिलेगी।

नदबई वार्ड-2 की प्रत्याशी विजय लक्ष्मी का आरोप- जिंदा व्यक्ति को मतदाता सूची में मृत बताकर हटाया नाम

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

भरतपुर। भरतपुर के नदबई नगर पालिका के वार्ड दो से निर्दलीय नामांकन करने वाली प्रत्याशी विजय लक्ष्मी के चुनाव लड़ने का सपना उस वक्त टूट गया जब उसका नामांकन खारिज हो गया। नामांकन खारिज होने का कारण उसके प्रस्तावक का नाम वोटर लिस्ट में नहीं होना बताया गया। इस बारे में निर्दलीय प्रत्याशी विजय लक्ष्मी का कहना है कि उन्होंने वार्ड दो से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया था। जिसमें एक प्रस्तावक दिनेश भी था। कल उसे पता चला कि उसका नामांकन खारिज कर दिया गया है और बताया गया कि दिनेश का नाम मतदाता सूची में ही नहीं है। जिस पर विजय लक्ष्मी ने रिटर्निंग अधिकारी को दिनेश के पास मौजूद कागजात भी दिखाए गए। लेकिन उसके खारिज नामांकन पर कोई सुनवाई नहीं हुई। जिस पर विजय लक्ष्मी अपनी सुनवाई की मांग को लेकर अपने समर्थकों के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। उसने आरोप लगाया कि उसके प्रस्तावक को मृत बता कर नाम वोटर लिस्ट में से हटाया गया। जिला कलेक्ट्रेट पहुंची विजय लक्ष्मी ने अधिकारियों के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए नामांकन खारिज किए जाने के निर्णय की दोबारा जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि यदि प्रस्तावक के पास वैध दस्तावेज मौजूद थे, तो उनके आधार पर मतदाता सूची में नाम और संबंधित विवरण की स्थिति की जांच की जानी चाहिए थी। उन्होंने पूरे मामले में निष्पक्ष सुनवाई की मांग की है। विजय लक्ष्मी के अनुसार, प्रस्तावक दिनेश के दस्तावेज अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे। इसके बावजूद नामांकन निरस्त किए जाने के निर्णय में बदलाव नहीं हुआ। उनका आरोप है कि मतदाता सूची में दिनेश का नाम मृतक के रूप में हटाया गया, जबकि वह जीवित है। हालांकि, इस आरोप की पुष्टि संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में किसी नाम को हटाने के पीछे दर्ज कारण और संबंधित रिकॉर्ड की जांच जरूरी मानी जा रही है।

शिक्षक दिवस 2026 के अवसर पर होगा प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड के 15वें संस्करण का भव्य आयोजन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों एवं शिक्षाविदों के सम्मान में प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड 2026 के 15वें संस्करण का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह समारोह थार सर्वोदय संस्थान, सिम्पली जयपुर एवं रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित होगा। आयोजक सोमेंद्र हर्ष ने कहा कि " प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड का 15वां संस्करण शिक्षा के क्षेत्र में कड़ी मेहनत, समर्पण और उपलब्धियों को सम्मान देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि समाज के भविष्य का निर्माण करने वाले मार्गदर्शक होते हैं। वे विद्यार्थियों में ज्ञान विकसित करने के साथ-साथ उन्हें प्रेरित करते हैं और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हैं। इस वर्ष के प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड समारोह में प्री-स्कूल, सरकारी एवं निजी विद्यालयों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की अलग-अलग श्रेणियों से कुल 141 शिक्षकों को प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवॉर्ड 2026 प्रदान किया जाएगा जिसमे राजस्थान के जयपुर के 68 शिक्षको के अलावा जोधपुर, अजमेर, बाड़मेर, सिरोही, पाली, भीलवाड़ा, ब्यावर, करोली, सीकर, किशनगढ़, लक्ष्मणगढ़, हनुमानगढ़, जैसलमेर और जालोर से लगभग 46 शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली, लखनऊ, वृन्दावन, छत्तीसगढ़ और बहरोड़ से लगभग 27 शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा , यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के समर्पण, उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान को रेखांकित करता है।" 15वें संस्करण के माध्यम से इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा जगत के समर्पित कर्मयोगियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया जाएगा।

भाजपा का नगरीय निकाय चुनावी घोषणापत्र जनता के बीच बना मजाक का विषय

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा द्वारा नगरीय निकाय चुनावों को लेकर जारी किए गए चुनावी घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का यह घोषणापत्र जनता के बीच गंभीर चर्चा का विषय बनने के बजाय मजाक का विषय बन गया है। प्रदेशभर से आमजन से मिल रहे फीडबैक से साफ है कि लोग भाजपा के इन वादों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जूली ने कहा कि आमजन का सवाल सीधा है कि अब चुनाव के समय भाजपा की नींद क्यों खुली है? नगरीय विकास से संबंधित जिन समस्याओं की ओर भाजपा सरकार ने ध्यान नहीं दिया, चुनाव आते ही उन पर घोषणाएं और वादे किए जा रहे हैं। अब चुनाव नजदीक आए हैं तो पूरा सिस्टम हरकत में आ गया है, क्योंकि भाजपा को जनता के बीच अपने कामकाज का जवाब देना है और वोट की चोट का डर सता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों में सड़क, सफाई, सीवरेज, पेयजल, यातायात, आवारा पशु और बुनियादी शहरी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं।

मनोरंजन समाचार

25 साल का सफल करियर फिर भी करीना कपूर को सता रहा एक अधूरापन

बॉलीवुड में ढाई दशकों से अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली अभिनेत्री करीना कपूर खान आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और दमदार अभिनय से करोड़ों दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई है, लेकिन कामयाबी के इस ऊंचे मुकाम पर पहुंचने के बावजूद उनके जीवन में एक ऐसी कमी रह गई है जिसे लेकर वे अक्सर भावुक हो जाती हैं। छोटी उम्र में ही रुपहले पर्दे की चमक-दमक से जुड़ने के कारण उन्हें अपनी स्कूली शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ी थी और यह बात आज भी उन्हें एक खालीपन का अहसास कराती है। पिंकविला के इंटरव्यू के दौरान अपनी शुरुआती जिंदगी के पन्नों को पलटते हुए अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि 11वीं कक्षा के बाद उन्होंने कभी अपनी पढ़ाई आगे नहीं बढ़ाई। उस समय उनका पूरा ध्यान अभिनय की दुनिया में खुद को साबित करने पर था। उन्होंने बताया कि उस उम्र में अपने सपनों को पूरा करने और दिल की बात सुनने का जुनून इस कदर हावी था कि शिक्षा को आगे बढ़ाने का अवसर होने के बावजूद उन्होंने पढ़ाई से दूरी बना ली। हालांकि उम्र और अनुभव के साथ अब उन्हें अहसास होता है कि डिग्रियां और औपचारिक शिक्षा केवल कागजों तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे व्यक्ति के व्यक्तित्व को गढ़ने में अहम भूमिका निभाती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि यद्यपि उन्होंने अपने जुनून को पूरा किया, लेकिन एक व्यवस्थित शिक्षा प्रणाली से वंचित रह जाना उनके जीवन का एक ऐसा अध्याय है जिसे वे बदल पाना चाहती हैं।

कौन हैं नीतीश राजपूत? 2.5 करोड़ की मानहानि झेलने वाले यूट्यूबर, पाकिस्तान में बैन

सोशल मीडिया और यूट्यूब की दुनिया में अपने रिसर्च बेस्ड वीडियो और देश विदेश के मुद्दों पर सटीक विश्लेषण के लिए मशहूर नीतीश राजपूत जल्द ही छोटे पर्दे के सबसे बड़े रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में नजर आ सकते हैं। इस बात को लेकर मनोरंजन जगत और सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं।

देश के जटिल राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक विषयों पर गहराई से बात करने वाले किसी यूट्यूबर का ऐसे ड्रामा और मनोरंजन से भरे मंच पर आना फैंस के लिए बेहद दिलचस्प माना जा रहा है। बता दें, 'बिग बॉस 20' 6 सितंबर से प्रसारित होने वाला है। नीतीश राजपूत ने डिजिटल स्पेस में अपनी एक अनूठी और मजबूत पहचान बनाई है। वे अक्सर देश के ज्वलंत मुद्दों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत शोध के साथ वीडियो बनाते हैं। उनका प्रस्तुत करने का तरीका और तथ्यों पर आधारित बातें दर्शकों को काफी पसंद आती हैं। यही वजह है कि उनकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग है। अब उनके प्रशंसक यह देखने के लिए बेताब हैं कि जो इंसान स्क्रीन पर केवल गंभीर विषयों पर तथ्यों के साथ बात करता है, वह 'बिग बॉस' के घर के भीतर बनने वाले दबाव, बहसबाजी और रणनीतिक माहौल में खुद को कैसे ढालता है। बता दें, बीते साल 2025 में नीतीश ने दावा किया था कि उन्हें और उनके यूट्यूब चैनल को पाकिस्तान में बैन कर दिया गया है और उसकी वजह बलूचिस्तान पर बनाया गया एक वीडियो है। नीतीश राजपूत का नाम हाल ही में एक बड़े राष्ट्रीय मुद्दे और कानूनी विवाद को लेकर भी खबरों में रहा था। उन्होंने कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं और परीक्षा कराने वाली एजेंसियों की प्रणाली पर एक विस्तृत वीडियो बनाया था। इस वीडियो ने लाखों अभ्यर्थियों का ध्यान खींचा और देश भर में एक नई बहस छेड़ दी।

समय रैना के 'पति-बेटे नल्ले' वाले कमेंट पर अर्चना पूरन सिंह ने तोड़ी चुप्पी

कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह और उनके परिवार को लेकर किए गए मजाक पर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई।

शो में समय ने अर्चना के पति परमीत सेठी और उनके दोनों बेटों को लेकर टिप्पणी की थी।

कुछ दर्शकों को उनका अंदाज पसंद नहीं आया और कॉमेडियन सुनील पाल ने इसे मजाक की सीमा पार करने वाला बताया।

हालांकि अब अर्चना पूरन सिंह और उनके बेटे आर्यमान सेठी ने खुद इस मामले पर अपनी बात रखी है। दोनों ने साफ किया कि उन्हें समय की बातों से व्यक्तिगत तौर पर कोई आपत्ति नहीं हुई।

न सुपरस्टार, न बिग बजट, 'हनुमान अंश' की तरह 4 और फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर दिखाया जलवा

भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से यह धारणा बनी हुई थी कि किसी फिल्म को सुपरहिट कराने के लिए करोड़ों का बजट, भारी-भरकम विजुअल इफेक्ट्स और किसी स्थापित सुपरस्टार का चेहरा बेहद जरूरी है। हालांकि, दर्शकों की बदलती पसंद ने इस पारंपरिक सोच को पूरी तरह खारिज कर दिया है। हाल के वर्षों में ऐसी कई कम लागत वाली फिल्में सामने आई हैं, जिन्होंने बिना किसी बड़े प्रमोशन और नामचीन स्टार्स के केवल अपनी मजबूत पटकथा और बेहतरीन निर्देशन के दम पर बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए आयाम गढ़े हैं। इससे साफ होता है कि दर्शक अब बड़े नामों से ज्यादा कहानी की मौलिकता और विषय-वस्तु की ईमानदारी को तरजीह दे रहे हैं। आइए नजर डालते हैं ऐसी ही कुछ चुनिंदा फिल्मों पर, जिन्होंने बेहद सीमित बजट में तैयार होकर कमाई के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। हालिया दौर में रिलीज हुई भक्तिपूर्ण फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर एक अप्रत्याशित सफलता बनकर उभरी है। संत नीम करोली बाबा के जीवन और उनके प्रसंगों पर आधारित इस फिल्म का निर्माण महज 2 करोड़ रुपये के सीमित बजट में हुआ था। शुरुआती दिनों में बहुत ही शांत शुरुआत मिलने के बावजूद दर्शकों के वर्ड-ऑफ-माउथ के बल पर फिल्म की रफ्तार लगातार बढ़ती गई और इसने देश भर में 70 करोड़ रुपये से अधिक का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बॉलीवुड का कोई बड़ा चेहरा शामिल नहीं था। मुख्य भूमिका में अभिनेता शोभिनव सत्या द्वारा निभाई गई सहज और प्रभावशाली भूमिका ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।

बड़े पैमाने पर मार्केटिंग न होने के बाद भी फिल्म की सादगी और आध्यात्मिक भाव ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी हिट बना दिया। अब मेकर्स ने इसके सीक्वल की घोषणा कर दी है। पौराणिक आख्यानों पर आधारित एनीमेशन फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' ने भारतीय सिनेमा के एनीमेशन क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा है। अश्विन कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 'महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स' की शुरुआती कड़ियों में से एक है, जो भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की कथाओं को दर्शाती है। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में तैयार इस एनीमेटेड एक्शन फिल्म को किसी बड़े स्टार के वॉयस-ओवर या भारी प्रचार के बिना रिलीज किया गया था। अपनी आकर्षक विजुअल शैली, सांस्कृतिक जुड़ाव और मजबूत पटकथा की बदौलत इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक का विशाल कलेक्शन दर्ज किया। ऋषभ शेट्टी के निर्देशन और अभिनय से सजी फिल्म 'कांतारा' भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और आश्चर्यजनक सफलताओं में गिनी जाती है। मात्र 16 करोड़ रुपये के बजट में निर्मित इस कन्नड़ फिल्म में तटीय कर्नाटक की लोक-संस्कृति और पारंपरिक देवकोला उत्सव को बेहद जीवंत रूप में पेश किया गया था।

अभिलाष थपलियाल ने तापसी के फिल्मों के चयन को सराहा, कहा- हर बार नया मुकाम बनाती हैं

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को अभिनेत्री के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, "अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिंक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।" अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, "नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।" अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, "यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।" अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, "तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो!" देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्ठी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूंढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है। फिल्म की कहानी में मां की ममता के साथ बदले और संघर्ष का पहलू भी देखने को मिलता है। बेटी के अपहरण के बाद बानी का किरदार जिस तरह अपनी कमजोरियों को ताकत में बदलता है, वही फिल्म की कहानी का प्रमुख आकर्षण है। आंखों की रोशनी खोने के बावजूद बेटी की तलाश में उसका आगे बढ़ना दर्शकों के सामने एक अलग तरह की एक्शन नायिका की छवि पेश करता है। तापसी पन्नू ने बानी के किरदार को निभाने के लिए भावनात्मक दृश्यों के साथ-साथ एक्शन हिस्सों पर भी विशेष मेहनत की है। फिल्म में उनका किरदार सामान्य परिस्थितियों से गुजरने वाली मां से एक ऐसे योद्धा के रूप में बदलता दिखाई देता है, जो अपनी बेटी को वापस लाने के लिए किसी भी खतरे का सामना करने को तैयार है। देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी फिल्म की कहानी में अपराध की दुनिया और बाल तस्करी जैसे गंभीर विषय को भी जोड़ा गया है। इसी वजह से कहानी केवल व्यक्तिगत संघर्ष तक सीमित नहीं रहती, बल्कि बानी की लड़ाई एक बड़े आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ भी दिखाई देती है। इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी जैसे कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म के महत्वपूर्ण किरदारों को मजबूती दी है। ऐसे में 'गांधारी' में उनका एक्शन अवतार उनके फिल्मी सफर का एक और अलग प्रयोग माना जा रहा है।

'द ट्रेटर' सीजन 2 में क्रिस्टेल डिसूज़ा और रिदा बनीं विनर, भरोसे की जंग में धोखे की हुई जीत

ओटीटी रियलिटी शो 'द ट्रेटर सीजन 2' के फिनाले तक रोमांच बना रहा। 10 एपिसोड तक चले इस खेल में विश्वास, रणनीति, धोखे और लगातार बदलते समीकरणों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। ट्रेटर और इनोसेंट के बीच की जंग में किसकी जीत हुई है, ये आज साफ हो गया है। मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, शालिनी पासी, रिदा थराना, दलीप ताहिल और क्रिस्टल डिसूजा ने फिनाले में जगह बनाई थी, लेकिन जीत का सहरा ट्रेटर्स के नाम सजा। रिदा और क्रिस्टल डिसूजा ने जीत दर्ज की है। बता दें, करण जौहर ने पहले क्रिस्टल के खेल की तारीफ की थी, वो बिना शक के घरे में आए लगातार इनोसेंट्स को मात दे रही थीं। रियलिटी कॉम्पिटिशन शो 'द ट्रेटर सीजन 2' ने अपने पूरे सफर में दर्शकों को लगातार रोमांचित किया। शो में बदलते गठजोड़, रणनीतियां और अचानक होने वाले एलिमिनेशन ने खेल को हर एपिसोड के साथ और मुश्किल बना दिया। करण जौहर द्वारा होस्ट किए जा रहे इस सीजन में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने जीत दर्ज की। दोनों ने मुश्किल परिस्थितियों और लगातार बदलते गेम के बीच अपनी रणनीति को मजबूत बनाए रखा और आखिरकार खिताब अपने नाम कर लिया। शो में ट्रेटर्स और इनोसेंट्स के बीच चलने वाली जंग का अंतिम परिणाम ट्रेटर्स के पक्ष में रहा।

'तूने जेब मारी है?' सरोजिनी नगर में पुलिस ने पकड़ लिया था भुवन बाम का कॉलर, जेबकतरा समझे गए थे एक्टर

भारत के सबसे सफल और लोकप्रिय यूट्यूब सितारों में शुमार भुवन बाम आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। अपने शुरुआती दिनों में उन्हें अपने माता-पिता को इस बात के लिए मनाना पड़ा था कि वे बैंक परीक्षाओं के फॉर्म भरकर कोई पारंपरिक नौकरी नहीं करना चाहते। उन्होंने अपने परिवार से केवल दो साल का समय मांगा था ताकि वे डिजिटल दुनिया में खुद को साबित कर सकें। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान भुवन ने अपने शुरुआती करियर का एक बेहद दिलचस्प और यादगार किस्सा साझा किया, जब दिल्ली के मशहूर सरोजिनी नगर बाजार में हुई एक छोटी सी गलतफहमी ने उनकी मां को यह अहसास करा दिया कि उनके बेटे ने बिल्कुल सही रास्ता चुना है। भुवन बाम ने 'स्टोरीबोर्ड18 ग्लोबल जेन-जी समिट' के दौरान बातचीत में बताया कि जब उनके यूट्यूब चैनल 'बीबी की वाइन्स' के लगभग 6 लाख सब्सक्राइबर्स थे, तब लोग धीरे-धीरे उन्हें सड़कों पर पहचानने लगे थे। उसी दौरान उनकी मां ने दिल्ली के सरोजिनी नगर बाजार जाकर खरीदारी करने की इच्छा जताई। भुवन अपनी मां को गाड़ी में लेकर सरोजिनी नगर पहुंचे ताकि दोनों साथ में थोड़ा समय बिता सकें। जैसे ही भुवन कार से बाहर निकले, वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें तुरंत पहचान लिया।

देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में वहां सैकड़ों लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और भुवन के नाम के नारे लगने लगे। भुवन की मां अचानक जुटी इस भीड़ को देखकर पूरी तरह हैरान और चिंतित हो गईं, क्योंकि वे समझ नहीं पा रही थीं कि आखिर इतने सारे लोग उनके बेटे के आसपास क्यों जमा हो रहे हैं। भीड़ और हंगामे को देखते ही वहां गश्त कर रही स्थानीय पुलिस की टीम पहुंच गई। उस समय भुवन के काफी लंबे बाल हुआ करते थे और वे सिर पर बंडाना बांधकर घूमा करते थे। उनके इस हुलिए को देखकर पुलिस को शक हुआ कि शायद वे कोई जेबकतरे हैं और भीड़ उन्हें पकड़ने के लिए जुटी है। भुवन ने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें सीधे कॉलर से पकड़ा और खींचकर ले गए। पुलिसकर्मियों ने उनसे कड़े शब्दों में पूछा कि क्या उन्होंने किसी की जेब काटी है।

सार समाचार

कीव में जेलेंस्की की विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात

कीव। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। उन्होंने न केवल भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के तरीकों, बल्कि क्षेत्र में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के उपायों पर भी बातचीत की।

यूक्रेनी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "आज राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलकर खुशी हुई। उन्हें विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने पर हुई चर्चा से अवगत कराया। हमारी बातचीत का केंद्र चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के उपायों पर रहा।" यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भी एक्स पर लिखा, "भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ बैठक की। हमने महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। हम इस अन्यायपूर्ण युद्ध, यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध, को समाप्त करने की भारत की इच्छा के लिए आभारी हैं। यह निश्चित रूप से युद्ध का समय नहीं होना चाहिए। शांति की आवश्यकता है। यह भारत की स्पष्ट स्थिति है।" उन्होंने आगे कहा, "आज, जब मंत्री कीव में हमारे साथ थे, रूस ने एक बार फिर जेट-संचालित 'शाहेद' ड्रोन लॉन्च किए, जो ईरान की सहायता के बिना नहीं बने थे। हमारे लड़ाकू विमानों की बदौलत प्रतिनिधिमंडल सुरक्षित रहा, क्योंकि ऐसे अधिकांश ड्रोन को यूक्रेनी लड़ाकू विमान ही मार गिराते हैं। हमें उम्मीद है कि दुनिया के अन्य मजबूत देश भी स्पष्ट रुख अपनाएंगे कि इस युद्ध को समाप्त करने और एक विश्वसनीय शांति की आवश्यकता है।"

'मेरे गांव के करीब 200 लोग लापता हैं', नेपाल में तबाही से बचे लोगों ने सुनाई भयावह दास्तान

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ और अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) के करीब एक सप्ताह बाद भी तबाही का मंजर लोगों के जेहन में ताजा है। प्रभावित इलाकों से बचाए गए और फिलहाल अस्थायी शिविरों में रह रहे लोगों ने गुरुवार को आईएएनएस से बातचीत में एक दशक से अधिक समय में नेपाल की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक के बाद की भयावह स्थिति बयां की। मुस्तांग के एक मठ में बने अस्थायी शिविर में रह रहे एक व्यक्ति ने बताया कि उनके गांव का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा तबाह हो चुका है और स्थानीय आबादी के लगभग 200 लोग अब भी लापता हैं। उन्होंने कहा, "हमारे लोगों को तिमुरे से बड़ी मुश्किल से बचाकर यहां लाया गया। हमारे गांव की स्थानीय आबादी में करीब 200 लोग अभी भी लापता हैं।

होर्मुज स्ट्रेट से मालवाहक जहाजों का गुजरना हुआ कम, आईएमएफ चीफ बोलीं- 'विकासशील देशों को होगा ज्यादा नुकसान'

सिंगापुर/वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से बुधवार को केवल छह कमोडिटी जहाज गुजरे। यह संख्या एक दिन पहले के 11 जहाजों के मुकाबले काफी कम है और पिछले 10 दिनों के करीब 13 जहाज प्रतिदिन के औसत से भी नीचे है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) चीफ क्रिस्टालिना जॉर्जिवा ने इस स्थिति से होने वाले नुकसान की ओर दुनिया का ध्यान दिलाया है। शिप-ट्रैकिंग कंपनी केप्लर के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए रॉयटर्स ने बताया कि बुधवार को जलडमरूमध्य से गुजरने वाले छह जहाजों में दो बहुत बड़े गैस कैरियर, दो लॉन्ग-रेंज टैंकर, एक सुप्रामैक्स टैंकर और एक पैनामैक्स टैंकर शामिल थे। जहाजों की आवाजाही में यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई ने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम मार्ग है। केप्लर के आंकड़े प्रारंभिक हैं और इनमें बदलाव संभव है। इसकी वजह यह है कि कुछ जहाज यात्रा के दौरान अपने ट्रांसपोंडर बंद कर देते हैं, जिससे उनका वास्तविक आवागमन तत्काल शिप-ट्रैकिंग आंकड़ों में दर्ज नहीं हो पाता। हालांकि, लगातार कम होती जहाज आवाजाही इस बात का संकेत है कि होर्मुज से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के लिए सुरक्षा जोखिम बढ़ गया है।

अमेरिका और ईरान के बीच फिर छिड़ा भीषण युद्ध, तेहरान में शादी समारोह में गिरी मिसाइल

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो चुका है और अमेरिकी बमबारी के जवाब में ईरान ने गुरुवार को कुवैत पर हमला किया। गुरुवार तड़के कुवैत में सायरन बजे। रक्षा मंत्रालय ने 'X' पर बताया कि "ईरान की खुली आक्रामकता" के दौरान एयर डिफ़ेंस सिस्टम ने मिसाइल और ड्रोन को रोका। यह घटना तब हुई जब अमेरिका के सहयोगी देशों बहरीन और जॉर्डन ने कहा कि उनके एयर डिफ़ेंस सिस्टम ने भी बुधवार को ईरान के कई हवाई हमलों को रोका। रविवार को अमेरिका ने होर्मुज (Strait of Hormuz) में एक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया था। अमेरिका का कहना था कि ईरान इनका इस्तेमाल जलमार्ग में बारूदी सुरंगें (माइन्स) दागने के लिए करने की योजना बना रहा था। इसके बाद से इस हफ़्ते अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाई बढ़ गई है। ईरानी मीडिया ने बताया कि होर्मुज (Strait of Hormuz) के पास बसे एक छोटे से तटीय शहर, कुहेस्ताक में एक घर पर अमेरिकी हमले में शादी समारोह के दौरान हमला हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी IRNA और सरकारी टीवी ने बुधवार को बताया कि इस हमले में चार लोगों दो महिलाओं और दो बच्चों (जिनकी उम्र 4 और 16 साल थी) की मौत हो गई और कम से कम 68 लोग घायल हो गए। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' की तस्वीरों में क्षतिग्रस्त घर, छत में एक छेद और चारों ओर मलबा व लोगों का सामान बिखरा हुआ दिखाई दिया। एक मानवाधिकार समूह और ईरानी मीडिया के अनुसार, दक्षिणी ईरान में एक घर पर अमेरिकी मिसाइल गिरी, जहां एक मछुआरे की बेटी की शादी का जश्न मनाने के लिए दर्जनों लोग जमा हुए थे। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि चार लोगों, दो महिलाओं और दो बच्चों की मौत हो गई और 60 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। मानवाधिकार समूह ने कहा कि पास के एक कम्युनिकेशन टावर पर हुए एक और हमले में एक बच्चे की मौत हो गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा कि अमेरिकी सेना शादी समारोह पर हमले की खबरों की जांच कर रही है।

PM मोदी और ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान की मुलाकात से अमेरिका को लगी मिर्ची!

अमेरिका ने अब उन देशों को चेतावनी दी है जो ईरान के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अगर कोई भी देश ईरान के साथ कारोबार जारी रखता है तो ट्रंप प्रशासन उस देश के खिलाफ प्रतिबंध लगाने से नहीं हिचकिचाएगा। दरअसल, मार्को रुबियो ने ये बयान एक सवाल के जवाब में दिया है। बता दें कि मार्को रूबियो से किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में SCO मीटिंग से इतर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात को लेकर सवाल पूछा गया था। रिपोर्टर ने पूछा कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पेजेश्कियान और ईरानी अधिकारियों से मुलाकात की। ऐसा लग रहा है कि वे किसी तरह का व्यापार समझौता करने की तैयारी कर रहे हैं। इस सवाल के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई ट्रेड डील हुई है। जाहिर है हर देश अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाता है। दुनिया के कई देश ईरानी शासन के साथ बातचीत करते हैं। यहां तक कि हमने भी ईरानी शासन के कुछ लोगों से बैठक की है और उनके साथ संपर्क हुआ है। आखिर में रुबियो ने कहा कि किसी भी देश को पाबंदियों से बचने में ईरान की मदद नहीं करनी चाहिए। किसी भी देश को ऐसे तरीके बनाने में उनकी मदद नहीं करनी चाहिए जिनसे वे कमाई कर सकें और उस पैसे का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने और परमाणु हथियार बनाने की कोशिश में कर सकें। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि वो ईरान से युद्ध लगातार जीत रहे हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अमेरिका दौरा 24 सितंबर को

वॉशिंगटन। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर को अमेरिका का दौरा करेंगे। अमेरिकी यात्रा उद्योग से जुड़े अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरे की तारीख बताई। बैठक में वह विदेशी निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चीन के साथ अमेरिका की आर्थिक प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर बात कर रहे थे। ट्रंप ने कहा, "चीन के राष्ट्रपति 24 तारीख को यहां आ रहे हैं। यह बहुत रोमांचक होगा। उनका स्वागत करके खुशी होगी।" उन्होंने कहा कि शी के साथ कई अच्छी बातें और सकारात्मक नतीजे सामने आने की उम्मीद है, हालांकि ट्रंप ने यात्रा के एजेंडे के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इससे पहले बुधवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भी ट्रंप ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति अमेरिका आने वाले हैं। अब उन्होंने पहली बार इस यात्रा की तारीख 24 सितंबर बताई है। बैठक के दौरान ट्रंप ने कई बार चीन का उल्लेख करते हुए कहा कि अमेरिका में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश आ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एआई के क्षेत्र में अमेरिका चीन से काफी आगे है। अमेरिकी राष्ट्रपति लंबे समय से एआई, सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और अन्य रणनीतिक तकनीकों के क्षेत्र में चीन के साथ प्रतिस्पर्धा को अपनी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते रहे हैं। ट्रंप ने चर्चा के दौरान कनाडा का भी जिक्र किया और कहा कि कई लोगों को हैरानी होती है जब वह कहते हैं कि कनाडा से बातचीत करना कभी-कभी चीन से भी ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, "लोग मुझसे पूछते हैं कि सबसे मुश्किल देश कौन है? क्या वह चीन है? वियतनाम है, लेकिन मैं कहता हूं कि वास्तव में कनाडा से निपटना ज्यादा कठिन रहा है।" 24 सितंबर को होने वाली संभावित मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और वैश्विक प्रभाव को लेकर लगातार प्रतिस्पर्धा बनी हुई है।

किम जोंग-उन ने शिक्षा को बताया सरकारी जिम्मेदारी, शिक्षकों को बताया 'देशभक्त'

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन बुधवार को शिक्षकों के सम्मेलन में शामिल हुए। शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी भूमिका अगली पीढ़ी के निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों को देश के भविष्य को तैयार करने की पहली पंक्ति में खड़े 'देशभक्त' बताया। योनहाप ने उत्तर कोरिया की न्यूज एजेंसी केसीएनए के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में 15वें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। किम जोंग-उन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उत्तर कोरिया में शिक्षक सम्मेलन फरवरी 2019 के बाद पहली बार आयोजित हुआ। किम ने कहा कि शिक्षा ऐसी सबसे महत्वपूर्ण सरकारी जिम्मेदारी है, जिसे किसी भी अन्य क्षेत्र के काम से पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को समाज में अधिक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर कोरिया की शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक वातावरण में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। किम ने इन बदलावों को शिक्षा के क्षेत्र में एक तरह की 'क्रांति' करार दिया। सम्मेलन में उत्तर कोरिया के प्रधानमंत्री पाक थाए-सोंग ने पिछले सात वर्षों के दौरान शिक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति और कमियों की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मौजूद खामियों को दूर करने और शहरी तथा ग्रामीण इलाकों के बीच शिक्षा के अंतर को कम करने पर जोर दिया। यह लक्ष्य फरवरी में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की नौवीं कांग्रेस में भी प्रमुखता से सामने आया था।

नेपाल में तबाही के बाद अब तक कितने शव बरामद हुए? कितने लोग लापता हैं? सामने आया लेटेस्ट आंकड़ा

नेपाल में आई महातबाही के बाद नौवें दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। तबाही के बाद भी कोहराम मचा है और मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। त्रासदी के बाद नेपाल में सेना और पुलिस का सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। भारतीय सेना की एक्सपर्ट रेस्क्यू टीम भी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की टनल में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने में जुटी है। तबाही वाले इलाकों में मलबे के नीचे से लगातार शव निकल रहे हैं। इसके साथ ही नेपाल आपदा में मृतकों का आंकड़ा 1250 के पार चला गया है। नेपाल के रसुवा के भोटेकोशी क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ में लापता हुए लोगों में से अब तक 1,252 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से दोपहर 12 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, बाढ़ में लापता लोगों में से 1,252 लोगों के शव बरामद हुए हैं। प्राधिकरण के मुताबिक, रसुवा में 127, नुवाकोट में 177, धादिड में 60, गोरखा में 69, तनहुं में 38, नवलपरासी पूर्व में 218, नवलपरासी पश्चिम में 208 और चितवन में 355 शव बरामद किए गए हैं। प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ के बाद अभी भी 4875 लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है, जबकि अब तक 11,993 लोगों का सुरक्षित निकाला जा चुका है। जानकारी के अनुसार, तबाही वाले इलाकों में 22 लाख टन से ज्यादा मलबा जमा है और उस मलबे के नीचे से शवों की तलाश की जारी है। इसी मलबे के नीचे से लगातार लाशें निकल रही हैं। बताया जा रहा है बरामद शवों में से सिर्फ 4 फीसदी शवों की पहचान हो पाई है। नेपाल में टनल में अभी भी सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। इन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। भारतीय सेना भी इसमें मदद कर रही है। नेपाल के इस मुश्किल वक्त में भारत मजबूती से उसके साथ खड़ा है। भारत ने नेपाल को राहत सामग्री की पांचवीं खेप भेजी है। इसके लिए नेपाल के प्रधानमंत्री ने बालेन शाह पीएम मोदी का आभार जताया है। बता दें नेपाल कि मदद के लिए भारत की 10 टीमें वहां तैनात है जो लगातार मदद कर रही है। दूसरी ओर पीएम बालेन शाह ने नेपाल त्रासदी के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। नेपाल में राहत और बचाव अभियान अब सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में पहुंच गया है। अधिकारियों के अनुसार बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं और उनकी तलाश के लिए प्रभावित इलाकों में अभियान जारी है।

अब नेपाल के पड़ोस तिब्बत में कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 5 मापी गई भूकंप की तीव्रता

नेपाल में भीषण फ्लैश फ्लड के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और यहां मृतकों का आंकड़ा 1,200 के पार पहुंच गया है। इस बीच, नेपाल के पड़ोस में यानी तिब्बत में धरती कांपी है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5 मापी गई है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, तिब्बत में यह भूकंप गुरुवार दोपहर 1 बजकर 46 मिनट पर आया।

इस भूकंप का केंद्र धरती से 14 किलोमीटर नीचे था। इसका अक्षांश 31.479 उत्तर और देशांतर 80.370 पूर्व था। गौरतलब है कि तिब्बत के पड़ोस में ही नेपाल में आए विनाशकारी सैलाब से मरने वालों का आकंड़ा 1,243 पहुंच गया है। वहीं, 5 हजार से ज्यादा लोग अभी भी लापता है, जिनमें सैकड़ों की संख्या में भारतीय भी शामिल हैं जो कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए थे।

वहीं, आपदा के बाद नेपाल में सेना और पुलिस का सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

भारतीय सेना की एक्सपर्ट रेस्क्यू टीम भी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की टनल में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने में जुटी है। इस बीच, भारत ने 11 एक्सपर्ट की टीम के साथ साढ़े 5 टन राहत सामग्री और दवाओं की 5वीं खेप नेपाल भेजी है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने आपदा के इस मौके पर भारत की मदद के लिए धन्यवाद कहा है।

जान लें कि नेपाल में आए इस महासैलाब की वजहों की तलाश शुरू हो गई है। बुधवार को नेपाली संसद में पीएम बालेन शाह ने नेपाल त्रासदी के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया।

अमेरिका हमलों में 18 लोगों की मौत तेहरान ने किया जवाबी कार्रवाई का दावा, संरा ने की संयम बरतने की अपील

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिका के हमलों में 18 लोगों की मौत हुई है और 108 अन्य लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर स्वास्थ्य मंत्री मोहम्मद रेजा जफरगांदी के बयान के हवाले से दी गई। एक अलग बयान में ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की और कहा कि ईरान अपनी स्वतंत्रता, राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी सरकार ने मंगलवार रात एक बार फिर ईरान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया।

बयान के अनुसार, कई नागरिक इलाकों और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े ढांचों को निशाना बनाया गया, जिससे कई लोग मारे गए या घायल हुए और सरकारी तथा निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। बुधवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने 'एक्स' पर कहा कि उसकी सेनाओं ने 'ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक सफलतापूर्वक श्रृंखला पूरी की है। यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट में व्यापारिक जहाजों और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ आईआरजीसी की ओर से हमलों की कोशिशों के जवाब में की गई। ईरान ने इसके जवाब में जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र और संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और संसाधनों को निशाना बनाने का दावा किया है। बयान में दावा किया गया कि इस कार्रवाई में कई सैन्य सुविधाएं और हेलीकॉप्टर नष्ट हुए तथा अमेरिकी बलों को भारी नुकसान पहुंचा।

खेल समाचार

एएचएफ जूनियर एशिया कप में खिताब बचाने उतरेंगी भारतीय हॉकी टीमें, जीत से शुरुआत का लक्ष्य

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें 4 से 13 सितंबर तक होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने के लिए तैयार हैं। दोनों टीमें मजबूत रिकॉर्ड और जबरदस्त तैयारी के साथ टूर्नामेंट में उतर रही हैं और जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी। भारतीय महिला टीम ने पिछले दो संस्करणों में एएचएफ जूनियर एशिया कप की ट्रॉफी जीती थी और इस बार मिडफील्डर खैदेम शिलेइमा चानू टीम की कप्तानी करेंगी। टीम ने नए कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में एक व्यवस्थित ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा किया है। व्हाइट ने इस साल की शुरुआत में ही टीम की कमान संभाली थी। महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी के हिस्से के तौर पर, टीम के एक बड़े स्क्वाड ने यूनाइटेड किंगडम का एक अहम एक्सपोजर टूर किया, जहां उन्होंने स्कॉटलैंड सीनियर महिला, अमेरिका अंडर-21, इंग्लैंड अंडर-21 और बेल्जियम अंडर-21 के खिलाफ सात कड़े मुकाबले खेले। इस चुनौतीपूर्ण सीरीज से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मैचों का बहुमूल्य अनुभव मिला और साथ ही खेल की अलग-अलग शैलियों के बारे में महत्वपूर्ण सीख भी मिली। मुझे यकीन है कि लड़कियां भारत का मान बढ़ाएंगी।

एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग: ईस्ट बंगाल को मिली ग्रुप बी में जगह, इन टीमों से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली। कुआलालंपुर में गुरुवार को हुए ड्रॉ के बाद ईस्ट बंगाल एफसी को एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के ग्रुप बी में जगह मिली है। टीम अपने अभियान का आगाज हो ची मिन्ह सिटी के खिलाफ 1 नवंबर को करेगी। इस ग्रुप में ईस्ट बंगाल का मुकाबला दक्षिण कोरिया की ह्वाचेओन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी (कोरिया गणराज्य), वियतनाम की हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी और उत्तर कोरिया की 4.25 एससी टीम से होगा। अब ईस्ट बंगाल को अगले दौर में पहुंचने के लिए इन मजबूत एशियाई टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टीम इस बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। कोलकाता 1 से 7 नवंबर तक ग्रुप बी के मैचों की मेजबानी करेगा। यह पहला मौका है जब भारत में एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग खेली जा रही है। इस भारतीय क्लब ने लगातार दूसरे साल ग्रुप स्टेज में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने मलेशिया के कोटा किनाबालु में हुए प्रीलिमिनरी स्टेज के ग्रुप ए में सबाह एफए (मलेशिया), रोवर्स एफसी (गुआम) और राजशाही स्टार्स एफसी (बांग्लादेश) से आगे रहते हुए पहला स्थान हासिल किया था। एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग के तीसरे एडिशन में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है और ये सभी मैच सेंट्रलाइज्ड लीग फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बीसीसीआई हमेशा तैयार

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि बोर्ड कम समय में आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के पहले संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका से मेजबानी अधिकार वापस लेकर भारत को सौंप दिए हैं। छह टीमों वाला यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी तक खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मुकाबले दो मैदानों - मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई मुख्यालय में प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सैकिया ने संवाददाताओं से कहा, "आपको बीसीसीआई की सराहना करनी चाहिए कि हम अगले साल फरवरी में महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहे हैं। हमारे पास दो स्थल हैं, एक सीसीआई ब्रेबोर्न, जो वानखेड़े स्टेडियम के बगल में है। दूसरा बड़ौदा है और हमें सराहना करनी चाहिए और हमें आईसीसी, जिसमें जय शाह भी शामिल हैं, को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने सोचा कि बीसीसीआई सही देश है जो इतने कम समय में टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है।" आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) से सरकारी हस्तक्षेप के कारण मेजबानी अधिकार छीन लिए थे। श्रीलंका सरकार ने बोर्ड के संचालन के लिए सरकार समर्थित ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी नियुक्त की थी। मेजबानी गंवाने के बावजूद श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपनी जगह बरकरार रखी है, क्योंकि उसने 6 जुलाई की कट-ऑफ तारीख तक वैश्विक टी20आई रैंकिंग के आधार पर स्वतः क्वालिफाई कर लिया था।

हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर जताई खुशी, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को लेकर भी दिया बयान

दुबई में खेले जा रहे महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारतीय महिला टीम का ग्रुप-ए में उनका तीन सितंबर को सामना दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हांगकांग चाइना की टीम से हुआ। इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम ने 20 ओवर्स में 5 विकेट के नुकसान पर 193 रनों का स्कोर बनाया और उसके बाद मुकाबले को 137 रनों से अपने नाम करने में कामयाब रही। इस मैच में जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह भी पक्की कर ली जिसको लेकर कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन को लेकर अपनी खुशी को जाहिर किया, तो वहीं अभी टीम इंडिया को ग्रुप स्टेज में एक मुकाबला और खेलना है जिसमें उसका सामना 5 सितंबर को पाकिस्तानी महिला टीम से होगा और उस मैच को लेकर भी कप्तान हरमन का बड़ा बयान सामने आया है। भारतीय महिला टीम ने ग्रुप-ए में अपना पहला मुकाबला थाईलैंड महिला टीम के खिलाफ खेला था, जिसमें बल्लेबाजों का उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन देखने को नहीं मिला था लेकिन टीम इंडिया उस मैच को आसानी से जीतने में कामयाब रही थी। वहीं हांगकांग चाइना की टीम के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला जिसको लेकर कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुकाबला खत्म होने के बाद अपने बयान में भी जिक्र किया और उन्होंने कहा कि मैं अच्छी बातों से शुरुआत करती हूं जिसमें स्मृति और शैफाली ने बहुत अच्छी बैटिंग की। हम इस मैच में मिडिल ओवर्स में बैटिंग करना चाहते थे ताकि यहां के हालात की आदत हो सके। आज की पिच पिछले मैच की पिच से बेहतर थी, लेकिन अहम बात यह है कि पिच पर कुछ समय बिताया जाए और इन हालात के हिसाब से ढला जाए, क्योंकि हमको यहां के हालात के बारे में अधिक जानकारी नहीं है फिर भी एक टीम के तौर पर हमने जो चाहा था वह हासिल किया। अगले मैच के लिए टीम लगभग तय है, लेकिन अगर कुछ बदलने की जरूरत हो या कोई और जिम्मेदारी लेना चाहे तो सोचने के लिए हमारे पास अभी एक और दिन है। हांगकांग चाइना की टीम के खिलाफ भारतीय महिला टीम की एकतरफा जीत में बल्ले से जहां स्मृति मंधाना का कमाल देखने को मिला तो वहीं गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने जिम्मेदारी को संभाला। दोनों के प्रदर्शन को लेकर कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उनकी तारीफ करने के साथ कहा कि एक कप्तान के तौर पर, मैं शुक्रगुजार हूं कि ये खिलाड़ी मेरे देश के लिए खेलते हैं और उनकी कप्तानी करना हमेशा एक शानदार मौका होता है। वहीं कप्तान हरमन ने हांगकांग चाइना की टीम को लेकर भी तारीफ की जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे उनके बारे में एक बात बहुत पसंद है वह उनका मैदान पर उनके जश्न मनाने का तरीका। यह सीखने लायक बात है क्योंकि जब आप लगातार क्रिकेट खेलते हैं तो अक्सर मैदान पर मजा करना भूल जाते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में टीम प्रबंधन को संयोजन को लेकर भी फैसला करना होगा। कप्तान ने संकेत दिया है कि टीम लगभग तय है, लेकिन जरूरत पड़ने पर बदलाव की गुंजाइश रखी गई है। ऐसे में खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन और दुबई की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अंतिम एकादश का चयन किया जाएगा।

मंधाना के तूफान में उड़ा हांगकांग, भारत ने दर्ज की दूसरी सबसे बड़ी जीत, नॉकआउट में सबसे पहले मारी एंट्री

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए हांगकांग को 137 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत से टीम इंडिया ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। ऐसा करने वाली वह पहली टीम बन गई है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए ग्रुप ए मुकाबले में स्मृति मंधाना के रिकॉर्डतोड़ शतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने एकतरफा जीत हासिल की। टीम इंडिया की महिला T20 इंटरनेशनल क्रिकेट में यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। भारत की सबसे बड़ी जीत 2018 में मलेशिया के खिलाफ 142 रनों से आई थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 193/5 का मजबूत स्कोर बनाया। इसके जवाब में हांगकांग की बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम सिर्फ 12 ओवर में 56 रन पर सिमट गई। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने सबसे शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। वहीं, श्री चरणी, नंदिनी शर्मा और प्रतीका रावल ने दो-दो विकेट लेकर हांगकांग की पारी को जल्द समेटने में अहम भूमिका निभाई। इस मुकाबले की सबसे बड़ी स्टार स्मृति मंधाना रहीं। भारतीय ओपनर ने 64 गेंदों पर 124 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनकी पारी में 14 चौके और सात छक्के शामिल रहे। स्मृति ने शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। शेफाली ने 17 गेंदों में 28 रन बनाए। स्मृति की यह पारी रिकॉर्डों से भरी रही। उन्होंने अपना 18वां इंटरनेशनल शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज मेग लैनिंग को पीछे छोड़ दिया और महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गईं। यह स्मृति के T20I इंटरनेशनल करियर का दूसरा शतक था। इतना ही नहीं, स्मृति ने अपनी पारी के दौरान मिताली राज के 10868 इंटरनेशनल रनों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही वह महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। हालांकि, स्मृति के अलावा भारतीय मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों को रन गति बढ़ाने में संघर्ष करना पड़ा।

पिकलबॉल वर्ल्ड कप: लीग स्टेज में भारत अजेय, 6 गोल्ड के साथ जीते कुल 37 मेडल

नई दिल्ली। वियतनाम के दा नांग में जारी टूर्नामेंट के पहले दिन, भारत ने एंटीगुआ और बारबुडा, इजरायल और चेक गणराज्य के खिलाफ अपने तीनों लीग मैच जीतकर 'पिकलबॉल वर्ल्ड कप' के टीम इवेंट का लीग स्टेज बिना कोई मैच हारे पूरा किया। अब तक भारत ने 6 गोल्ड, 16 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 37 मेडल जीते हैं और टीम मेडल टैली में चौथे स्थान पर है। हर्ष मेहता, अर्जुन सिंह, अनीश फ्रोइलन, अमन पटेल, पर्ल अमलसादीवाला, नाओमी अमलसादीवाला, आलिया इब्राहिम और मिहिका यादव जैसे खिलाड़ियों वाली भारतीय प्रो टीम ने लीग स्टेज में आसानी से जीत हासिल की। भारत ने एंटीगुआ और बारबुडा और इजरायल को 6-0 के स्कोर से हराया और फिर लीग स्टेज के आखिरी मैच में चेक गणराज्य को 5-1 से मात दी। प्रत्येक मुकाबले में 6 मैच खेले गए, जिनमें विमेंस डबल्स, मेंस डबल्स, मिक्स्ड डबल्स 1, मिक्स्ड डबल्स 2, विमेंस सिंगल्स और मेंस सिंगल्स शामिल थे। अब भारतीय टीम शुक्रवार को 'राउंड ऑफ 32' में पुर्तगाल का सामना करेगी। इस बीच, भारत के कप्तान हर्ष ने लीग स्टेज के बारे में बात करते हुए कहा, "टीम का हौसला बहुत बुलंद है। हमने सकारात्मक ऊर्जा और शानदार नतीजों के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की है। टीम के सभी सदस्य अच्छा खेल रहे हैं, जो सबसे जरूरी है और इसी वजह से अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। हम कल होने वाले एलिमिनेशन राउंड के लिए मानसिक रूप से तैयारी कर रहे हैं।" आईपीए अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह की अगुवाई में, भारत की सीनियर टीम ने भी पहले दिन जर्मनी और नेपाल को 4-0 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने 'राउंड ऑफ 32' में अपनी जगह बना ली है। उन्होंने कहा, "अब तक के सभी खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन और टीम इवेंट में पूरी टीम के जज्बे पर मुझे बहुत गर्व है। अभी हम मेडल टैली में चौथे स्थान पर हैं, और हमें भरोसा है कि अगर यही रफ्तार बनी रही तो हम कुछ और स्थान ऊपर चढ़ेंगे।"

जिम्बाब्वे टूर से पहले लगा झटका, साउथ अफ्रीका को T20I टीम में करना पड़ा बदलाव

साउथ अफ्रीका क्रिकेट से बड़ी खबर सामने आई है। जिम्बाब्वे दौरे पर रवाना होने से पहले साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम को बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा है। टीम की अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज सिनालो जाफ्टा चोट के कारण आगामी T20I सीरीज से बाहर हो गई हैं। जिम्बाब्वे दौरे से ठीक पहले आई इस खबर ने साउथ अफ्रीका को तगड़ा झटका दिया है। सिनालो जाफ्टा की जगह अब अनकैप्ड विकेटकीपर जे-ली फिलैंडर को टीम में शामिल किया गया है। साउथ अफ्रीका को जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की T20 इंटरनेशनल सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत 11 सितंबर से होगी। सीरीज के सभी मुकाबले बुलावायो में खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने जानकारी दी कि सिनालो जाफ्टा प्री-टूर टेस्टिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन का शिकार हो गईं। चोट की वजह से उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा है। जाफ्टा की गैरमौजूदगी में युवा विकेटकीपर कराबो मेसो के मुख्य विकेटकीपर की भूमिका संभालने की उम्मीद है। जाफ्टा के स्थान पर टीम में शामिल की गईं जे-ली फिलैंडर अभी तक सीनियर इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू नहीं कर पाई हैं।

भविष्य की योजना और खिलाड़ियों की इंजरी पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) गुरुवार को मुंबई में अपने हेडक्वार्टर में एक अहम रिव्यू मीटिंग करेगा। इस मीटिंग में सभी पदाधिकारी, हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण के शामिल होने की उम्मीद है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 जुलाई को 'आईएएनएस' को बताया था कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का दौरा 19 जुलाई को खत्म होने के बाद एक डिटेल्ड रिव्यू मीटिंग होगी। यह मीटिंग शुरू में इंग्लैंड और आयरलैंड में टी20 इंटरनेशनल सीरीज में मिली हार और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हार पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। हालांकि, जिम्बाब्वे के टी20 इंटरनेशनल दौरे और श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के कारण इसे टाल दिया गया था। भारत ने ये सीरीज क्रमशः 3-0 और 1-0 से जीती। मीटिंग के एजेंडे की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया कि यह हाई-लेवल मीटिंग आखिरकार गुरुवार को होगी। "हां, 3 सितंबर (गुरुवार) को एक मीटिंग तय है। बोर्ड के सभी टॉप अधिकारी और इससे जुड़े अन्य सदस्य आज रात तक इसके लिए मुंबई पहुंच जाएंगे।

चाइना मास्टर्स में किदांबी श्रीकांत ने किया बड़ा उलटफेर, विक्टर लाई को मात देकर क्वार्टर फाइनल में बनाई

चाइना ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का प्री-क्वार्टर फाइनल में कनाडा के खिलाड़ी विक्टर लाई के खिलाफ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, श्रीकांत ने सीधे 2 सेटों को अपने नाम करते हुए मुकाबले को अपने नाम किया और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया है। शेनझेन में खेले गए इस मुकाबले को लेकर सभी की नजरें थी क्योंकि 9वें नंबर के खिलाड़ी कनाडा के विक्टर लाई ने राउंड ऑफ 32 का मुकाबला भारत के लक्ष्य सेन के खिलाफ खेला था, जिसको वह एकतरफा अंदाज में अपने नाम करने में कामयाब रहे थे, अब श्रीकांत ने सेन की हार का बदला लेने के साथ विक्टर लाई के सफर को टूर्नामेंट में यहीं से खत्म कर दिया है। किदांबी श्रीकांत और विक्टर लाई के बीच में चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच में काफी कांटे की टक्कर देखने को मिली। 43 मिनट तक चले इस मैच में किदांबी श्रीकांत ने पहला सेट 21-18 के अंतर से अपने नाम करने के साथ मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली, वहीं इसके बाद दूसरे सेट में लाई ने जोरदार वापसी तो की लेकिन अंत में श्रीकांत इसे 21-19 के करीबी अंतर से जीतने के साथ क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की करने में कामयाब रही। किदांबी श्रीकांत अब चाइना मास्टर्स 2026 में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हांगकांग के ली चेउक यिउ का सामना करेंगे। युवा भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा जिन्होंने राउंड ऑफ 32 में अपने मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था उनको प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में जापान की नौवें नंबर की खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से तीन सेटों तक चले इस कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अब तीसरे सेट को लेकर सभी की नजरें थी, जिसको जापान की खिलाड़ी 21-16 के अंतरे से जीतने में कामयाब रही और मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

सेहत के लिए खतरा बन सकती हैं किचन की ये 3 चीजें, न्यूट्रिशनिस्ट ने तुरंत फेंकने की दी सलाह

आपके किचन में रोज़ इस्तेमाल होने वाली कुछ चीज़ें ऐसी हैं जो असल में आपके घर का काम आसान नहीं करती हैं बल्कि यह आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट और डायटीशियन किरण कुकरेजा ने घर के कामों में इस्तेमाल होने वाली तीन ऐसी चीज़ों के बारे में बताया जो आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकती हैं। उन्होंने इनकी जगह सुरक्षित विकल्प अपनाने की सलाह दी है। न्यूट्रिशनिस्ट ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "हम हेल्दी खाना चुनने में समय लगाते हैं लेकिन शायद ही कभी इस बारे में सोचते हैं कि हम उसे किस चीज़ में पका रहे हैं या किस चीज़ से साफ़ कर रहे हैं। अगर आप अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में केमिकल के संपर्क को कम करना चाहते हैं तो तुरंत अपने किचन में ये तीन बदलाव करें।''

किचन स्पंजः आम किचन स्पंज अक्सर आपके किचन की सबसे गंदी चीज़ें होती हैं, क्योंकि उनमें खाने के कण फंस जाते हैं और वे गीले रहते हैं, जिससे बैक्टीरिया पनपते हैं। इसके बजाय, न्यूट्रिशनिस्ट ने नारियल के रेशे वाले स्क्रबर का इस्तेमाल करने की सलाह दी, जो प्लास्टिक-फ्री होता है, जल्दी सूखता है और साथ ही इसे बदलना आसान होता है।

डिशवॉशिंग जेलः न्यूट्रिशनिस्ट ने चेतावनी दी कि कई लिक्विड में आइसोथियाज़ोलिनोन, सिंथेटिक खुशबू और डाई जैसे केमिकल होते हैं। इससे सिंथेटिक केमिकल वाले आम डिशवॉशिंग साबुन का इस्तेमाल आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो जाता है। इसके बजाय, वह सुरक्षित प्लांट-बेस्ड विकल्प का सुझाव देती हैं। जैसे नेचुरल डिशवॉशर लिक्विड, जो बिना गैर-ज़रूरी चीज़ों के असरदार ढंग से साफ़ करता है।

एल्युमीनियम फॉयलः न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, गर्मी और एसिडिटी के कारण एल्युमीनियम आपके खाने में मिल सकता है। उन्होंने सुझाव दिया, "इसके बजाय, जब भी हो सके पार्चमेंट पेपर चुनें।

कुल मिलाकर, न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि किचन में इस्तेमाल होने वाली चीजें न सिर्फ हमारे आसपास के माहौल को प्रभावित करती हैं, बल्कि हमारे खाने की गुणवत्ता पर भी असर डालती हैं। इसलिए हेल्दी कुकिंग और बेहतर सेहत के लिए सही चीजों का इस्तेमाल करना जरूरी है।

खाने के बाद बार-बार आती है डकार और फूलता है पेट? कहीं डाइट की ये गलतियां तो नहीं जिम्मेदार?

खाना खाने के बाद बार-बार डकार आना और पेट फूलना काफी आम समस्या है। कई बार इसके पीछे हमारी रोजाना की खानपान की आदतें जिम्मेदार होती हैं। क्यूरा आयुर्वेदिक एंड यूनानी लिमिटेड में आयुर्वेदिक चिकित्सक, डॉ. अवंतिका, कहती हैं कि अगर आपको भी खाने के बाद अक्सर डकार और ब्लोटिंग की शिकायत रहती है तो अपनी डाइट और खाने के तरीके पर जरूर ध्यान दें। डॉक्टर अवंतिका कहती हैं कि बार-बार गैस, पेट फूलना और डकार की समस्या हमारी खान-पान की आदतों से जुड़ी हो सकती हैं। आयुर्वेद में इन समस्याओं को कमजोर पाचन अग्नि का संकेत माना गया है। इसलिए आप कब, क्या और कैसे खाते हैं, इस पर ध्यान देना जरूरी है। सही खान-पान की आदतें पाचन को बेहतर रखने और गैस व ब्लोटिंग जैसी परेशानियों को कम करने में मदद कर सकती हैं। डॉक्टर अवंतिका के अनुसार, खाना हमेशा ताजा और हल्का गर्म कर के ही खाना चाहिए। बहुत ज्यादा खाना खाने से बचें, पेट को हमेशा थोड़ा खाली रखें। खाना अच्छी तरह से पचे इसलिए उसे चबा चबा कर खाएं। जब आपका खाना पच जाए तभी अगला भोजन करें। आयुर्वेद में विरुद्ध आहार यानी ऐसे खाद्य पदार्थों के संयोजन से बचने की सलाह दी जाती है, जो पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। रात को जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी खाना खा लें ताकि वह आसानी से पच जाए। भोजन करते समय ज्यादा बातचीत करने से बचें। मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर मन लगाकर भोजन करें। साथ ही, अपनी प्रकृति और पाचन क्षमता के अनुसार भोजन का चुनाव करना जरूरी है। अगर खाने के बाद, पेट फूलने लगे तो आप अजवायन या अदरक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मसाले पेट की समस्याओं में असरदार माने जाते हैं। हालांकि, अगर आपको गैस और डकार बार-बार परेशान कर रही हैं और उसके साथ आपको पेट दर्द, उल्टी या वजन कम होने जैसे लक्षण दिखाई दें तो चिकित्सकीय सलाह जरूर लें। खाना खाने के तुरंत बाद बहुत अधिक पानी पीने, चाय-कॉफी या कार्बोनेटेड पेय का सेवन करने की आदत भी कम करना उपयोगी हो सकता है, खासकर यदि इनसे आपको गैस या पेट फूलने की समस्या बढ़ती महसूस होती हो।

स्वाइन फ्लू में किन मरीजों को निमोनिया का खतरा ज्यादा रहता है?

स्वाइन फ्लू, जिसे H1N1 इन्फ्लुएंजा भी कहा जाता है, एक वायरल संक्रमण है जो आमतौर पर बुखार, खांसी, गले में खराश, बदन दर्द और कमजोरी जैसे लक्षणों के साथ सामने आता है। अधिकांश मरीज सही देखभाल के साथ ठीक हो जाते हैं। हालांकि, कुछ मरीजों में यह संक्रमण फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बड़ा सकता है। लेकिन एक सवाल जो कई लोगों के मन में रहता है वो है कि स्वाइन फ्लू में किन मरीजों को निमोनिया का खतरा रहता है। डॉ. संजय वर्मा, अतिरिक्त निदेशक, आंतरिक चिकित्सा विभाग, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला बता रहे हैं कि किन मरीजों को निमोनिया का खतरा रहता है। निमोनिया का खतरा विशेष रूप से उन लोगों में अधिक रहता है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। इसमें बुजुर्ग, छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और ऐसे मरीज शामिल हैं जिन्हें पहले से डायबिटीज, अस्थमा, COPD, हृदय रोग, किडनी की बीमारी या कोई अन्य गंभीर बीमारी है। कैंसर का इलाज करा रहे या किसी कारण से इम्युनिटी कम होने वाले मरीजों में भी विशेष सावधानी जरूरी है। कई बार शुरुआत में फ्लू और निमोनिया के लक्षण एक जैसे लग सकते हैं। लेकिन अगर बुखार लगातार बना रहे या दोबारा बढ़ जाए, खांसी और सांस फूलने की समस्या बढ़ने लगे, सीने में दर्द हो, ऑक्सीजन का लेवल कम हो या मरीज को असामान्य कमजोरी महसूस हो, तो इसे सामान्य फ्लू मानकर घर पर इलाज करते रहना सही नहीं है। ऐसे लक्षणों में मेडिकल जांच जरूरी है। डॉक्टर की सलाह है कि हाई-रिस्क मरीज फ्लू के लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

स्वाइन फ्लू का आयुर्वेद से प्राकृतिक इलाज कैसे करें, डॉक्टर ने बताया कौन सी जड़ी बूटी हैं असरदार

स्वाइन फ्लू सांस से जुड़ी बीमारी है, जो इन्फ्लुएंजा A (H1N1) वायरस की वजह से होती है। स्वाइन फ्लू के लक्षण सामान्य फ्लू जैसे हो सकते हैं। इनमें बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगना और थकान शामिल हैं। हालांकि हर मरीज को बुखार हो ऐसा जरूरी नहीं है। आशा आयुर्वेद की डॉक्टर चंचल शर्मा के अनुसार आयुर्वेद में इलाज का उद्देश्य केवल बीमारी के लक्षणों को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की प्राकृतिक क्षमता और इम्युनिटी को बेहतर करना होता है। आयुर्वेद प्राकृतिक और ओवरऑल ट्रीटमेंट पर ध्यान देता है। हालांकि H1N1 एक वायरल संक्रमण है और गंभीर मामलों में केवल घरेलू या आयुर्वेदिक उपाय काफी नहीं हो सकते हैं। लेकिन हैवी दवाओं के साइड इफेक्ट्स को कम करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में कुछ हर्बल दवाओं और जड़ी बूटियों का इस्तेमाल मददगार साबित हो सकता है। आयुर्वेद केवल बुखार या खांसी जैसे लक्षणों पर ध्यान देने के बजाय शरीर की पूरी स्थिति पर ध्यान देने की बात करता है। जिसमें खाना पीना, नींद, तनाव और रोजाना की लाइफस्टाइल में सुधार पर जोर दिया जाता है। आयुर्वेद में H1N1 जैसी बीमारी और उसके लक्षणों में कुछ जड़ी-बूटियों और खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल फायदेमंद साबित हो सकता है।

गिलोय- आयुर्वेद में बुखार आने पर गिलोय का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। गिलोय का इस्तेमाल इम्युनिटी बढ़ाने के लिए किया जाता है। जिससे शरीर बीमारियों से लड़ पाता है।

तुलसी- फ्लू होने पर गले और सांस से जुड़ी तकलीफ होती है। इसमें आप तुलसी का इस्तेमाल कर सकते हैं। तुलसी का सेवन करने से गले की परेशानी दूर होती हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

हल्दी- इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं और इसे सूजन कम करने वाली डाइट का हिस्सा माना जाता है। हल्दी का सेवन शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति को बढ़ाता है।

अदरक- इसमें एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। इसे गले की परेशानी और पाचन के लिए भी पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

30 साल के बाद महिलाओं को होती है इन सप्लीमेंट्स की जरूरत, डॉक्टर ने बताया स्वस्थ रहने के लिए हैं जरूरी

महिलाओं के शरीर में पुरुषों के मुकाबले ज्यादा हार्मोनल बदलाव आते हैं। जिससे कई बार शरीर में थकान, कमजोरी और मूड में बदलाव देखने को मिलता है। 30 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते कुछ महिलाओं में पोषण की कमी होने लगती है। मां बनने के दौरान पूरे शरीर में बदलाव आते हैं। ऐसे में अगर उचित पोषण मिलना जरूरी है। कई बार नॉर्मल डाइट से सही पोषण नहीं मिल पाता है। ऐसे में सप्लीमेंट्स का सहारा लेना पड़ सकता है। जयपुर स्थित सीके बिरला अस्पताल में डायबिटीज और एंडोक्रिनोलॉजी के एडिशनल डायरेक्टर डॉक्टर अंकुर गहलोत ने बताया कि आजकल युवाओं में कई पोषण संबंधी कमियां पाई जाने लगी हैं। हालांकि सप्लीमेंट्स का सेवन तब करना चाहिए जब इसकी जरूरत हो, ये अच्छी डाइट का विकल्प नहीं बनाना चाहिए।

विटामिन डी- डॉक्टर प्राची बेनारा (प्रजनन विशेषज्ञ, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, गुड़गांव) की मानें तो भारत में विटामिन डी की कमी काफी ज्यादा है।

विटामिन बी 12- शाकाहारी महिलाओं में विटामिन बी12 की कमी आम समस्या है। विटामिन बी12 की जरूरतों के लिए हमें सतर्क रहना चाहिए।

आयरन- जिन महिलाओं को पीरियड्स के दौरान बहुत ब्लीडिंग होती है, उनके लिए आयरन विशेष रूप से जरूरी हो सकता है।

कैल्शियम- डॉक्टर गहलोत के अनुसार, जिन महिलाओं की डाइट में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम नहीं होता है, उन्हें कैल्शियम की जरूरत होती है।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर अटका आखिरी पेंच

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) को अंतिम रूप देने के लिए भारत को अमेरिका से एक खास शर्त पूरी होने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि जैसे ही अमेरिका भारत को उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर टैरिफ रेट देगा, ट्रेड डील को फाइनल कर उसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक कर दी जाएगी। पीयूष गोयल ने गुरुवार को वाणिज्य मंत्रालय की ओर से आयोजित एक वर्कशॉप में कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अंतिम शर्त अमेरिका की ओर से मिलने वाला प्रिफरेंशियल रेट है। भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान को उसके प्रमुख प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले बेहतर टैरिफ सुविधा मिले। अमेरिका ने 24 जुलाई से भारत समेत कई देशों के उत्पादों पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसी बदलते टैरिफ माहौल के कारण दोनों देशों के बीच बातचीत आगे भी जारी है। ट्रेड डील को लेकर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए पीयूष गोयल सितंबर के आखिर में अमेरिका जाएंगे। ऐसे में भारत-अमेरिका ट्रेड डील का मुद्दा इस बैठक में अहम रहने की उम्मीद है।

बार-बार शरीर में होती है अकड़न? डाइट में शामिल करें ये चीजें, बढ़ेगा लचीलापन

शरीर का लचीलापन सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितनी देर तक स्ट्रेचिंग करते हैं। आपके खाने का भी इसमें बड़ा योगदान हो सकता है। अगर शरीर को रोजाना सही मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और जरूरी तत्व नहीं मिल रहे हैं तो मांसपेशियों की ताकत और उनकी काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। वहीं संतुलित खाना शरीर को व्यायाम के बाद खुद को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करता है। हालांकि यह बात साफ है कि कोई एक फल, सब्जी या दूसरा खाद्य पदार्थ खाने से शरीर अचानक लचीला नहीं हो जाता। इसके लिए सही खान-पान के साथ नियमित व्यायाम और स्ट्रेचिंग भी जरूरी है। सबसे पहले बात प्रोटीन वाले खाने की तो अंडा, दूध, दही, पनीर, सोया, चना, राजमा और चिकन इसके अच्छे स्रोत हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाने और उनकी मरम्मत करने में मदद करता है। जब हम कसरत करते हैं तो मांसपेशियों पर थोड़ा दबाव पड़ता है। इसके बाद शरीर को उनकी मरम्मत के लिए अमीनो एसिड की जरूरत होती है, जो प्रोटीन से मिलते हैं। मजबूत और स्वस्थ मांसपेशियां शरीर के अंगों को बेहतर तरीके से हिलाने-डुलाने में मदद करती हैं। प्रोटीन सीधे तौर पर शरीर को लचीला नहीं बनाता, लेकिन लचीलेपन के लिए जरूरी मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। विटामिन सी भी इस मामले में काफी काम का है। आंवला, अमरूद, नींबू, संतरा, कीवी, टमाटर और शिमला मिर्च जैसे खाद्य पदार्थों में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

शेयर बाजार में फिर छाए बिकवाली के बादल! सेंसेक्स में आई बड़ी गिरावट

सुबह की बढ़त के बाद 3 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर उतार-चढ़ाव और बिकवाली का भारी दबाव देखने को मिला। दिन की शुरुआत में हरे निशान पर कारोबार करने वाले सेंसेक्स और निफ्टी बाजार बंद होते-होते गिरावट के साथ लाल निशान पर आ गए। हालांकि, इस भारी उठापटक के बीच भी अडानी समूह के एक बड़े शेयर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पिछले दो दिनों में लगभग 3% से ज्यादा की तेजी दर्ज की। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 417.49 अंक टूटकर 76,152.86 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 41 अंक फिसलकर 23,873.45 पर आ गया। बाजार बंद होते समय कुल 2,453 शेयरों में तेजी रही, 1,686 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई और 178 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार में मंदी के बावजूद अडानी पोर्ट्स लगातार दूसरे दिन निफ्टी का टॉप गेनर बना रहा। 2 सितंबर को +1.51% चढ़ने के बाद आज यह स्टॉक +2.02% की तेजी के साथ 1,706.50 पर बंद हुआ, जिससे दो दिनों में इसमें करीब 3.5% की बढ़त देखने को मिली है।

रीढ़ की हड्डी से लेकर पाचन तक हर समस्या का समाधान है वृश्चिकासन

शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए योग एक कारगर पद्धति है। यह सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है, जो व्यक्ति को अंदर से शांत, मजबूत और एकाग्र बनाती है। योग के विभिन्न आसनों में वृश्चिकासन खास स्थान रखता है, जिसके अभ्यास से मानसिक संतुलन और शरीर पर नियंत्रण बेहतर करता है। इसका नाम 'वृश्चिक' यानी बिच्छू से लिया गया है, क्योंकि इस आसन के दौरान शरीर की स्थिति बिच्छू के समान होती है। इसके अभ्यास से शारीरिक मजबूती, लचीलापन और मानसिक शांति मिलती है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने वृश्चिकासन को एक उन्नत स्तर का योग आसन बताया है। इसके नियमित रूप से करने से शरीर में शक्ति, संतुलन और लचीलेपन का अद्भुत संयोजन है। इस आसन में शरीर की आकृति डंक उठाए हुए बिच्छू की तरह हो जाती है। वृश्चिकासन या स्कॉर्पियन पोज एक इनवर्टेड बैकबेंड आसन है, जिसमें कोहनियों पर संतुलन बनाते हुए पैरों को सिर की ओर झुकाया जाता है। यह आसन कंधों, बाजुओं, पीठ और कोर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। वृश्चिकासन एकाग्रता और संतुलन भी बढ़ाता है। यह एक अत्यंत कठिन आसन है।

सोना-चांदी की कीमतों में फिर आई तेजी, 1% से ज्यादा उछले भाव

पिछले कुछ दिनों से लगातार गिर रहे सोने और चांदी के भाव में गुरुवार, 3 सितंबर को फिर तेजी देखने को मिली। कमोडिटी मार्केट खुलते ही दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में 1% तक का उछाल आया। कमजोर अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने सोने-चांदी की कीमतों को सहारा दिया। ऐसे में अगर आप सोना खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो आज के भाव आपके लिए जानना बेहद जरूरी है। गुरुवार सुबह के कारोबार में MCX पर सोना 0.75% की तेजी के साथ 1,53,542 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत भी 0.88% बढ़कर 2,38,340 प्रति किलोग्राम हो गई। हालांकि, यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ये MCX के वायदा भाव हैं। ज्वेलरी खरीदते समय स्थानीय बाजार में 24 कैरेट, 22 कैरेट और अन्य शुद्धता वाले सोने के दाम अलग हो सकते हैं। इसके अलावा GST और मेकिंग चार्ज भी अलग से लागू होते हैं। घरेलू बाजार के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत में बढ़ोतरी हुई। सिंगापुर में सुबह 7:56 बजे स्पॉट गोल्ड 0.1% बढ़कर 4,386.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं स्पॉट सिल्वर भी 0.1% की तेजी के साथ 65.38 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। सोने की कीमतों में तेजी के पीछे अमेरिकी डॉलर की कमजोरी को भी बड़ी वजह माना जा रहा है। बुधवार को डॉलर की वैल्यू में कुछ गिरावट आई, जबकि जापानी येन में तेजी देखने को मिली।

आमतौर पर कमजोर डॉलर से विदेशी निवेशकों के लिए सोना अधिक आकर्षक हो जाता है। इससे सोने की मांग बढ़ने और कीमतों को सपोर्ट मिलने की संभावना रहती है।

अमेरिका में टैरिफ के असर में कमी आने से महंगाई घटने के संकेत मिल रहे हैं। न्यूयॉर्क फेड के चेयरमैन जॉन विलियम्स के मुताबिक ऊर्जा की ऊंची कीमतों का असर दूसरी सेवाओं तक ज्यादा नहीं फैल रहा है। इसके अलावा अमेरिकी कंपनियों द्वारा अगस्त में धीमी गति से नई नौकरियां जोड़ने के आंकड़ों ने भी बाजार की उम्मीदों को प्रभावित किया है। इससे ब्याज दरों को लेकर आगे की रणनीति पर निवेशकों की नजर बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतों पर आगे भी अमेरिकी मौद्रिक नीति और ब्याज दरों से जुड़े संकेतों का असर बना रह सकता है। यदि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद मजबूत होती है तो सोने जैसी गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों में निवेश की रुचि बढ़ सकती है। इसके विपरीत, ब्याज दरों को लेकर सख्त रुख के संकेत मिलने पर कीमतों पर दबाव देखने को मिल सकता है।

ई-स्कूटर में लगी आग नहीं बुझा पाई नागपुर की फायर ब्रिगेड की टीम

महाराष्ट्र के नागपुर में उस समय लोग आश्चर्य में पड़ गए जब ई-स्कूटर में आग लगने के दौरान नागपुर महानगरपालिका की फायर ब्रिगेड की गाड़ी आग बुझाने के लिए पहुंची, तो गाड़ी तो पहुंच गई, लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी से पानी का छिड़काव नहीं हो सका। इसके बाद, चर्चा शुरू हो गई कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी में पानी नहीं था, इसलिए आग नहीं बुझाई जा सकी। इस मामले में नागपुर महानगरपालिका के दमकल विभाग की तरफ से स्पष्टीकरण दिया गया कि स्कूटर में आग बुझाने के लिए दमकल वाहन मौके पर पहुंच गया था लेकिन तकनीकी खराबी के कारण पंप शुरू करने में परेशानी हुई। मिनी टेंडर के इंजन से पीटीओ के जरिए पंप को मिलने वाली बिजली के सर्किट का फ्यूज उड़ गया था, इस वजह से पंप शुरू नहीं हो सका। इस बीच, तत्काल दूसरे बड़े दमकल वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया, हालांकि उसके पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया था। फायर ब्रिगेड ने यह भी साफ किया कि समस्या सामने आने के तुरंत बाद ही दमकल की दूसरी गाड़ी मौके पर भेज दी गई थी।

कांग्रेस अध्यश्र मल्लिकार्जुन खरगे का हल्द्वानी 'शुद्धीकरण' विवाद अब पहुंचा हाई कोर्ट

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कथित 'शुद्धीकरण' का मामला अब हाई कोर्ट पहुंच गया है। उत्तराखंड हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। देहरादून के सामाजिक कार्यकर्ता बैजनाथ ने जनहित याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए उससे संबंधित इलेक्ट्रॉनिक व दस्तावेजी सबूतों को सुरक्षित रखे जाने का अनुरोध किया है। इस याचिका पर हाई कोर्ट में 7 सितंबर को सुनवाई होने की संभावना है। याचिका के अनुसार, रामलीला मैदान में खरगे की जनसभा के बाद, उसी जगह पर वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच गंगाजल छिड़ककर कथित तौर पर 'शुद्धीकरण' अनुष्ठान किया गया। याचिकाकर्ता का तर्क है कि सार्वजनिक जगह पर इस तरह की हरकत से सामाजिक अशांति और तनाव पैदा हो सकता है। याचिकाकर्ता ने घटना से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए निर्देश देने का आग्रह किया है। इसमें जनसभा की वीडियो रिकॉर्डिंग, जनसभा के बाद कार्यक्रम स्थल पर हुई गतिविधियों की फुटेज और उस क्षेत्र में या उसके आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखे जाने के निर्देश देने को कहा गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, कथित अनुष्ठान से जुड़ी पूरी सच्चाई और हालात का पता लगाने के लिए सूचना का अधिकार (RTI) कानून के तहत घटना से संबंधित जानकारी भी मांगी गई है। वहीं, दूसरी ओर खरगे ने हल्द्वानी में उनकी रैली के बाद सभास्थल का कथित तौर पर शुद्धीकरण किए जाने को छुआछूत की घटना करार देते हुए केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निर्देश दें। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकरण को लेकर राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से भी संपर्क किया जाएगा। खरगे ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की 'चुप्पी' को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने राज्यसभा में सदन के नेता नड्डा को लिखे पत्र में इस बात पर हैरानी जताई कि 'शुद्धीकरण' की घटना के 24 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है और उलटा राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया, जबकि वह निरंतर दलितों की आवाज उठा रहे हैं। याचिका में घटना से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की मांग किए जाने के बाद अब मामले में न्यायालय की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अदालत आगे की दिशा तय कर सकती है। खासतौर पर वीडियो और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखना इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, ताकि बाद में घटना के वास्तविक क्रम की पुष्टि की जा सके। मामले को लेकर राजनीतिक स्तर पर भी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कांग्रेस की ओर से इसे सामाजिक भेदभाव से जोड़कर सवाल उठाए गए हैं, जबकि घटना की वास्तविक प्रकृति और उसमें शामिल लोगों की भूमिका जांच का विषय है। प्रशासन के सामने अब यह भी चुनौती है कि मामले को लेकर किसी तरह का सामाजिक तनाव न बढ़े।

तमिलनाडु में सस्ता बिक रहा प्याज, इन दुकानों से खरीद सकते हैं 35 रुपये में एक किलो

खुले बाज़ार में प्याज़ की कीमतें कम करने की कोशिश में, गुरुवार (3 सितंबर, 2026) को चेन्नई और तमिलनाडु के दूसरे शहरों में उचित मूल्य की दुकानों के ज़रिए 35 प्रति किलो के भाव पर प्याज़ की बिक्री शुरू की गई। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री वेंकटरमनन और सहकारिता मंत्री वी. गांधीराजन ने चेन्नई में इसकी बिक्री का उद्घाटन किया। रबी सीज़न में पैदा हुए लगभग 1,000 टन प्याज़ नासिक से खरीदे गए हैं। प्याज के लिए निर्धारित शर्तें ये हैं कि वे ए-ग्रेड के हों, अच्छी बाज़ार-योग्य गुणवत्ता के हों, सड़े हुए न हों, उनमें अत्यधिक अंकुरण न हो और उनका आकार 45 मिमी या उससे अधिक हो। कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए वेल्लोर जिले की कलेक्टर पीएस लीला एलेक्स ने उचित मूल्य की दुकानों पर 35 रुपये प्रति किलो के भाव से प्याज़ की बिक्री शुरू की। पी.एस. लीला एलेक्स तमिलनाडु कैडर की 2020 बैच की IAS अधिकारी हैं। एक कुशल एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर पहचानी जाने वालीं लीला एलेक्स को वेल्लोर जिले की नई कलेक्टर हैं। इन्हें भारत सरकार के निर्देशों पर नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (NAFED) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (NCCF) ने हासिल किया है और मालगाड़ी व सड़क मार्ग से चेन्नई पहुंचाया है। सूत्रों ने बताया कि जल्द ही एक और रेलगाड़ी से माल आने की उम्मीद है। बता दें कि प्याज की कीमतों में अचानक उछाल आ गया था, जिसके बाद केंद्र सरकार ने सस्ता प्याज मुहैया कराने के लिए कांदा एक्सप्रेस चलाया है।

तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई सहित राज्य के शहरी इलाकों की 8,739 राशन दुकानों के माध्यम से 35/ किलो प्याज की बिक्री शुरू की है। प्रत्येक राशन कार्डधारक परिवार को 1 किलो प्याज दिया जा रहा है।सरकार द्वारा संचालित फार्म फ्रेश सहकारी दुकानों पर भी यह सस्ता प्याज उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिला उपभोक्ता सहकारी थोक भंडार (District Consumer Cooperative Wholesale Stores) और प्राथमिक सहकारी समितियों से आप सस्ता प्याज खरीद सकते हैं।

NCCF और NAFED मोबाइल वैनः केंद्रीय एजेंसियों (NCCF और NAFED) द्वारा प्रमुख शहरों में मोबाइल वैन और ट्रकों के जरिए सीधे 35 प्रति किलो में प्याज बेचा जा रहा है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य खुदरा बाजार में बढ़ी कीमतों का असर कम करना और उपभोक्ताओं को राहत देना है। उचित मूल्य की दुकानों के जरिए सीमित मात्रा में बिक्री होने से अधिक से अधिक परिवारों तक सस्ता प्याज पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। एक राशन कार्डधारक परिवार को एक किलो प्याज दिए जाने की व्यवस्था से कालाबाजारी और अनावश्यक जमाखोरी पर भी नियंत्रण रखने का प्रयास किया जा रहा है।

"हर सवाल का जवाब दूंगा, उठकर मत जाना", विधानसभा में भिड़े सीएम विजय और उदयनिधि

तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को उस समय हंगामा हो गया जब DMK ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सत्ताधारी TVK सरकार को घेरने की कोशिश की। इसके जवाब में, मुख्यमंत्री विजय अपनी सीट से उठे और कहा कि वह अगले सोमवार को विपक्ष द्वारा उठाए गए हर सवाल का जवाब देंगे। न्यूज़ एजेंसी PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने स्पीकर से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि जब मैं सदन में जवाब दूं तो DMK सदस्य मेरे भाषण के दौरान अपनी सीटों पर ही बैठे रहें और सदन से बाहर न जाएं। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने न केवल ड्रग्स के प्रसार को रोकने में पिछली DMK सरकार के कामकाज की TVK द्वारा बार-बार की जा रही आलोचना पर सवाल उठाए, बल्कि यह भी पूछा कि अगर पिछली सरकार के प्रयास नाकाफी थे, तो मौजूदा सरकार ने उन दो सीनियर पुलिस अधिकारियों को प्रमोशन क्यों दिया, जो DMK के कार्यकाल के दौरान उन्हीं विभागों के प्रमुख थे। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार ने पीड़ितों की मदद करने और उन्हें जल्द न्याय दिलाने के लिए स्पेशल कमेटियां और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOPs) बनाए थे। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री जवाब देंगे।

दिल्ली के एक होटल में युवक ने महिला की चाकू मारकर की हत्या फिर खुद खाया जहर

दिल्ली के लाहौरी गेट इलाके से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां प्रिंस होटल में 28 वर्षीय महिला की उसके प्रेमी ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान के रहने वाले आरोपी और बिहार की रहने वाली महिला ने बुधवार शाम होटल प्रिंस में कमरा लिया था। पुलिस के अनुसार, रात के दौरान व्यक्ति ने कथित तौर पर महिला पर चाकू से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद उसने आत्महत्या करने के लिए जहर खा लिया। पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह होटल के कर्मचारियों ने महिला को कमरे के अंदर खून से लथपथ पड़ा पाया। उसे मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि आरोपी को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि लाहौरी गेट इलाके में स्थित एक होटल के कमरे में गुरुवार सुबह एक महिला की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई, जबकि एक पुरुष बेहोशी की अवस्था में मिला। पुलिस के अनुसार, लाहौरी गेट थाने को होटल प्रिंस में एक पुरुष और एक महिला के अचेत पड़े होने के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उसने बताया कि महिला घायल अवस्था में मिली और उसके शरीर पर चाकू से वार के कई निशान थे, उसी स्थान पर एक पुरुष भी बेहोशी की हालत में पाया गया। पुलिस ने कहा कि दोनों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि पुरुष का फिलहाल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, यह मामला हत्या के बाद आत्महत्या के प्रयास का है। सही घटनाक्रम और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की हालत स्थिर होने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि वारदात के पीछे क्या वजह थी और होटल के कमरे में दोनों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ।

भारत की तरफ से IPU ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे राघव चड्ढा, उपराष्ट्रपति को शुक्रिया कहते हुए दी जानकारी

राघव चड्ढा ने भारतीय डेलिगेशन में नॉमिनेट करने के लिए उपराष्ट्रपति का शुक्रिया अदा किया।

भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ यंग पार्लियामेंटेरियन्स में भारत की तरफ से शामिल होंगे। यह कार्यक्रम 4 से 6 सितंबर के बीच उज्बेकिस्तान के समरकंद में होगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनका नाम आगे बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने उपराष्ट्रपति का आभार भी जताया। राघव चड्ढा ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। राघव चड्ढा ने एक्स पर एक फोटो शेयर की, जिसमें वह अपने बैग के साथ एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में पासपोर्ट और अन्य डॉक्यूमेंट भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि इस कार्यक्रम में भारत के पास देने के लिए बहुत कुछ है। राघव चड्ढा पिछले साल ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में भी शामिल हो चुके हैं। इससे पहले विश्व आर्थिक मंच ने भी यंग ग्लोबल लीडर सम्मान के लिए उन्हें चुना था। राघव चड्ढा ने एक्स पोस्ट पर लिखा, "12वें इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ यंग पार्लियामेंटेरियन्स में इंडियन पार्लियामेंट को रिप्रेजेंट करने के लिए चुने जाने पर मुझे गर्व है। इस डेलीगेशन में मुझे नॉमिनेट करने के लिए मैं भारत के माननीय वाइस प्रेसिडेंट का शुक्रिया अदा करता हूं। 1889 में बनी और जिनेवा में हेडक्वार्टर वाली आईपीयू, दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी नेशनल पार्लियामेंट्स की बॉडी है, जिसमें 180 मेंबर पार्लियामेंट्स और 15 एसोसिएट मेंबर एक साथ आते हैं।" राघव चड्ढा ने बताया कि "मुश्किल समय में सभी के लिए ह्यूमन राइट्स, जस्टिस और डिग्निटी को वापस पाना" इस साल की थीम है। उन्होंने लिखा कि तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया भर के युवा सांसद (चुने हुए जन प्रतिनिधि) आपस में चर्चा करेंगे। इस दौरान युवाओं के अधिकार, डिजिटल राइट्स, ऑनलाइन सेफ्टी, क्लाइमेट रेजिलिएंस और यूथ के लिए जस्टिस और इकोनॉमिक मौके पर डिबेट करेंगे। राघव ने लिखा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी लौकतंत्र है और भारत की जनसंख्या दुनिया की सबसे युवा आबादी में भी शामिल है। इन सभी सवालों पर, भारतीय संसद के पास देने के लिए बहुत कुछ है और सीखने के लिए भी काफी कुछ है। पीएम मोदी ने हाल ही में उज्बेकिस्तान का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौते हुए। वहीं, अब राघव उसी देश का दौरा कर रहे हैं। इस पर उन्होंने लिखा, "जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी-अभी उज्बेकिस्तान का अपना सफल दौरा खत्म किया है, यह हमारे डेलीगेशन के लिए खुशी की बात है कि वह हमारी पार्टनरशिप के पार्लियामेंट्री साइड पर मोमेंटम को आगे बढ़ाने में एक छोटी सी भूमिका निभाए।" समरकंद में होने वाला यह सम्मेलन युवा सांसदों के लिए वैश्विक स्तर पर विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के जनप्रतिनिधि लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। जलवायु परिवर्तन और उससे पैदा होने वाली चुनौतियां भी सम्मेलन के प्रमुख विषयों में शामिल हैं।

बांसवाड़ा नगर निकाय चुनाव में मतदान से पहले ही BJP की जीत, वार्ड 12 में सोनिया वैष्णव निर्विरोध जीतीं

बांसवाड़ा नगर निकाय चुनाव में मतदान से पहले ही भारतीय जनता पार्टी के खाते में पहली जीत दर्ज हो गई। नामांकन वापसी के अंतिम दिन वार्ड संख्या 12 से कांग्रेस प्रत्याशी रेखा कंसारा ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी सोनिया वैष्णव निर्विरोध निर्वाचित हो गईं। जीत की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। भाजपा प्रत्याशी की निर्विरोध जीत के बाद वार्ड में जश्न का माहौल नजर आया।

कार्यकर्ताओं ने गली-गली जीत का जुलूस निकाला और आतिशबाजी कर खुशी जताई। इस दौरान निर्विरोध विजयी हुईं सोनिया वैष्णव भी समर्थकों के साथ जमकर थिरकती नजर आईं। उन्होंने वार्डवासियों का आभार जताते हुए कहा कि यह जीत जनता के विश्वास और समर्थन की जीत है।

कांग्रेस की ओर से वार्ड नंबर 12 से प्रत्याशी रहीं रेखा कंसारा ने अपना नाम वापस ले लिया।

उनके चुनाव मैदान से हटने के बाद इस वार्ड में भाजपा के सामने कोई दूसरा उम्मीदवार शेष नहीं है। ऐसे में भाजपा की सोनिया वैष्णव ने इस वार्ड से निर्विरोध जीत लिया है। वहीं वार्ड 52 से बीएपी के उम्मीदवार मोहम्मद इरफान खान ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है।

गुड्डू बादशाह हत्याकांड का खुलासा, 12 हजार KM तक चला ऑपरेशन, 5 राज्यों से 8 आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर स्थित लाल कुआं में 28 जुलाई को हुए मो. इरशाद आलम उर्फ गुड्डू बादशाह हत्याकांड का साउथ-ईस्ट जिला पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना और तमिलनाडु में करीब 12 हजार किलोमीटर तक ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस के मुताबिक, 28 जुलाई को D-29, चुंगी नंबर-3, लाल कुआं में फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर गुड्डू बादशाह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि फारुख नाम का एक व्यक्ति गोली लगने से घायल मिला था। शुरुआत में फारुख ने खुद को पीड़ित बताया, लेकिन पूछताछ, CDR, तकनीकी निगरानी और अन्य सबूतों की जांच में उसके बयान में विरोधाभास सामने आए। इसके बाद पुलिस ने उसे भी साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि हत्या की वजह बिहार के सुपौल में पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी शमशाद और अशफाक की गुड्डू बादशाह से पुरानी दुश्मनी थी। आरोप है कि गुड्डू को पुराना विवाद सुलझाने के बहाने बिहार से दिल्ली बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक, समझौते के लिए मुलाकात के नाम पर गुड्डू को लाल कुआं स्थित किराए के परिसर/गोदाम में ले जाया गया, जहां कथित तौर पर उसे गोली मार दी गई। उसे तमिलनाडु के तिरुप्पुर से स्थानीय पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in